सूविचार

हमारी सबसे बड़ी महानता गिरने से बचने में नहीं है बल्कि हर बार गिरकर उठने में निहित है।

दैनिक

इंटरनल न्यूज

सच की तह तक....

internalnews@gmail.com www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 316 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, सोमवार 09 फरवरी 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

1450 किमी लंबा राम वन गमन पथ तैयार कर रही सरकार

भक्तिभाव से शबरी मैया ने पूरे वनवासी समाज का बढ़ाया मान

» मुख्यमंत्री ने शहडोल जिले को दी 747.91 करोड़ रुपए की लागत से 139 विकास कार्यों की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जिन्होंने निःशब्द रहकर अपनी पुण्य भावनाओं को अमर शब्द दे दिए, ऐसी शबरी मैया को पूरे मध्यप्रदेश की ओर से नमन है, वंदन है। जिनके जूठे बेर खाकर भगवान श्री राम भी भक्तिभाव से धन्य हो गये उस माता शबरी की महिमा कौन नहीं जानता। भगवान को बेर भी भेंट देने से पहले खुद बेर का मीठापन जांच लेना भक्ति का उत्कर्ष है। यह प्रसंग हमें बताता है कि भगवान भक्त की आराधना पद्धति के नहीं, बल्कि उसके मन के भावों के भूखे होते हैं। व्यक्ति का मूल्य उसके हृदय की पवित्रता से तय होता है, जन्म से नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोल समाज की कुल देवी शबरी मैया हम सबके लिए सदैव आराध्य हैं, पूजनीय हैं, वंदनीय हैं। उन्होंने अपने चरित्र एवं सत्कर्मों से पूरे वनवासी और जनजातीय समाज का मान बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को शहडोल जिले की ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गंधिया स्थित सीतामढ़ी धाम में माता शबरी जयंती पर आयोजित जनजातीय हितग्राही सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी परिसर में शबरी मैया की एक सुंदर प्रतिमा का अनावरण कर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम गंधिया से शहडोल जिले के लिए 747 करोड़ 91 लाख रुपए की लागत वाले 139 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया। इसमें 613 करोड़ रुपए से अधिक लागत से 79 कार्यों का लोकार्पण तथा 134 करोड़ रूपए से अधिक लागत के 60 कार्यों का भूमि पूजन शामिल है। मुख्यमंत्री ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनजातीय वर्ग का समग्र कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में है।

प्रदेश में पीएम जन-मन योजना के अंतर्गत 98 करोड़ 30 लाख रुपए और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 401.56 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया जा चुका है। हमारी सरकार ने जनजातीय समाज के नायकों की गौरव गाथाओं को शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शबरी माता ने बरसों भगवान श्री राम का इंतजार किया। कई साल तक राम का रास्ता निहारती रहीं। रोज अपनी कुटिया की सफाई करती रहीं कि आज नहीं, तो कल राम आएंगे। यह एक भक्त के अपने भगवान पर अटूट विश्वास का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री राम आए, शबरी मैया की भक्ति और स्नेह से अत्यंत भावविभोर हुए और उन्हें नवधा भक्ति का ज्ञान देकर मोक्ष भी प्रदान किया। हमारी सरकार ने शबरी मैया और हम सबके आराध्य भगवान श्रीराम की स्तुति के लिए श्री रामचन्द्र पथ गमन न्यास की स्थापना की है। हम प्रदेश में 1450 किमी लंबे राम वन गमन पथ का निर्माण करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को श्रीराम का विशेष स्नेह मिला। चित्रकूट में उन्होंने 11 वर्ष बिताए। ग्राम गंधिया में भी वे 11 रात रहे। इसीलिए गंधिया को भी राम वन गमन पथ विकास योजना में शामिल कर लिया गया है। इससे गंधिया का विकास होगा। इस गांव के विकास के लिए सरकार ने लगभग 80 लाख रुपए मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ब्यौहारी में 30 बिस्तरीय अस्पताल का निर्माण कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी धाम को धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने तथा वन्य जीव पर्यटन गतिविधियों के विकास-विस्तार के लिए क्षेत्रीय संजय डूबरी टाइगर रिजर्व का एक गेट ब्यौहारी की तरफ भी खोलने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में महुआ और कटहल बहुतायत से होता है। इसीलिए इन दोनों से बनने वाली औषधियों एवं अन्य उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने तथा क्षेत्र में उद्योग, रोजगार एवं निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री ने यहां एक औद्योगिक विकास केंद्र खोलने की घोषणा की।

संक्षिप्त समाचार

सीएम सरमा ने कांग्रेस नेता गोगोई और उनकी पत्नी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को लेकर गंभीर आरोप लगाकर कहा है कि मामले को विस्तृत जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) को भेजा जाएगा। प्रेसवार्ता में सीएम सरमा ने कहा कि अगर किसी सांसद का पाकिस्तान से संबंध सामने आता है, तब यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और इस मामले को सार्वजनिक रूप से उठाना जरूरी है। सीएम सरमा के मुताबिक उन्हें जानकारी दी गई कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान हाई कमीशन के दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनकी मुलाकात तब के पाकिस्तान के उच्चायुक्त अब्दुल बासित से हुई थी। उन्होंने कहा कि उन्हें याद नहीं कि कोई अन्य नेता इस तरह प्रतिनिधिमंडल लेकर हाई कमीशन पहुंचा है। सीएम सरमा ने दावा किया कि कांग्रेस नेता गोगोई से हुई मुलाकात के कुछ दिन बाद बासित भी असम आए थे। इसके बाद उन्होंने मामले की जांच शुरू करा दी। सीएम सरमा ने कहा कि जांच के दौरान उन्हें बताया गया कि गोगोई की पी ने मार्च 2011 से मार्च 2012 के बीच पाकिस्तान से जुड़े एक संस्थान के साथ काम किया था। इस दौरान उनकी नजदीकी अली तौकीर शेख नाम के व्यक्ति से होने की जानकारी भी दी गई। सीएम सरमा ने कहा कि असम एसआईटी ने अब मामले में विस्तृत जांच की है और कथित संबंधों के पहलुओं का अध्ययन किया है।

विजयपुरा में निजी ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, कैप्टन सहित दो पायलट घायल

बेंगलुरु। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में रविवार को एक निजी ट्रेनिंग विमान हादसे का शिकार हो गया। रेड बर्ड एविएशन कंपनी का हल्का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट बाबलेश्वर तालुक के मंगलूर गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। विमान पायलट प्रशिक्षण के लिए उड़ान पर था और कलबुर्गी से बेलगावी की ओर जा रहा था। इसी दौरान तकनीकी खराबी आने से पायलट ने नियंत्रण खो दिया और विमान जमीन पर गिर गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विजयपुरा जिले में उड़ान के दौरान विमान के इंजन में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद पायलट विमान पर नियंत्रण नहीं रख सके और वह जमीन पर गिर पड़ा। हादसे के समय विमान में दो लोग सवार थे, जिनमें एक कैप्टन और एक ट्रेनी पायलट शामिल हैं। विमान दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन को जानकारी दी। बाबलेश्वर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। दोनों घायल पायलटों को 108 एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार दोनों को गंभीर चोटें आई हैं, हालांकि उनकी स्थिति पर डॉक्टरों की निगरानी बनी हुई है।

सूरजकुंड हादसे की जांच करेगी एसआईटी, झूला टूटने का सच लाएगी सामने

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद में चल रहे 39वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प महोत्सव में शनिवार को एक सुनामी झूला अचानक टूटकर गिर गया, जिससे पलवल में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद की मौत हो गई और 13 अन्य लोग घायल हो गए। घटना से पूरे मेले में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद अब सवाल खड़े हो गए हैं। अब सवालों के जवाब एसआईटी ढूंढेगी। फरीदाबाद पुलिस ने एसआईटी की टीम गठित की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के फरीदाबाद में सूरजकुंड मेले में शनिवार शाम को मेले में लगा सुनामी झूला टूटकर गिर पड़ा। एक पल में अफरा-तफरी मच गई। दर्जनों लोग घायल हो गए। घायलों को निजी अस्पतालों और बादशाह खान सिविल अस्पताल ले जाया गया। इनमें से ज्यादातर को वहीं इलाज मिल रहा है। राहत की बात ये रही कि झूले में बैठे लोगों को गंभीर चोटें नहीं आईं लेकिन जो लोग उन्हें बचाने भागे, वह ज्यादा घायल हुए हैं। पलवल के चांदहट थाने में तैनात इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद मेले की सुरक्षा ड्यूटी पर थे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील: पीएम मोदी ने कारोबारी दोस्त को बचाने देश को अमेरिका के हाथों बेच दिया

मुंबई। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत के बयान ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर राजनैतिक गलियारे में नई हलचल मचा दी है। उन्होंने समझौते को सीधे तौर पर राष्ट्रद्रोह करार देकर भारत की संप्रभुता और आत्मसम्मान पर हमला बताया है। 15 अगस्त 1947 की ऐतिहासिक रात को पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा किए गए नियति से समझौते का जिक्र उद्धव गुट के नेता राऊत ने कहा कि जिस संकल्प के साथ भारत ने आजादी मिली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उस संकल्प को तोड़ दिया है।

उन्होंने आरोप लगाया है कि अमेरिका के साथ हुआ व्यापार समझौता भारत को फिर गुलामी की दिशा में धकेल रहा है। खासकर किसानों और लोगों के भविष्य के साथ समझौता किया। उद्धव गुट के सांसद राऊत के बयान के बाद यह मुद्दा केवल व्यापार नीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रवाद, संप्रभुता और आजादी के मूल्यों से जुड़ी बड़ी राजनीतिक बहस का रूप ले चुका है।

राउत ने कहा कि पीएम मोदी ने अमेरिका के साथ चार माह से अटके व्यापार समझौते को जल्दबाजी और हड़बड़ी में पूरा किया गया और भारत के साथ समझौता होने की घोषणा सबसे पहले अमेरिका ने बड़ी खुशी से की। इसके पहले पाकिस्तान के साथ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी राष्ट्रपति ट्रंप ने ही पहले 'सीजफायर' का ऐलान किया था। अब व्यापार समझौते के मामले में भी ऐसा ही हुआ है।

सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही: वैष्णव

» सर्वम एआई को स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने किया शॉर्टलिस्ट

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि सॉवरेन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल स्ट्रैटेजी नतीजे दे रही है। इस दौरान उन्होंने घरेलू स्टार्टअप सर्वम एआई द्वारा जारी किए गए एक एडवांस्ड मॉडल की तारीफ की। पिछले साल इस स्टार्टअप को देश का पहला एआई फाउंडेशनल मॉडल बनाने के लिए चुना गया था। 67 प्रपोजल में से सर्वम एआई को भारत का पहला स्वदेशी फाउंडेशनल मॉडल बनाने

के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था।

मंत्री वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमारे एआई मिशन के हिस्से के रूप में सर्वम द्वारा जारी किए गए टेक्नोलॉजी में एडवांस्ड मॉडल की सबसे ज्यादा आलोचना करने वाले लोग भी तारीफ कर रहे हैं। हमारे स्मार्ट युवा इंजीनियर मटेरियल साइंस, हेल्थकेयर और साइबर सिक्योरिटी में ऐसे इनोवेशन पर काम कर रहे हैं, जिन्हें दुनिया पाथब्रेकिंग मॉडल के तौर पर देखेगी। सर्वम एआई ने भारतीय भाषाओं के लिए सबसे अच्छे टेक्स्ट-टू-स्पीच, स्पीच-टू-टेक्स्ट और ओसीआर मॉडल बनाए हैं। पिछले साल दिसंबर में सर्वम एआई के को-फाउंडर प्रत्युष कुमार ने इंडियाएआई मिशन के तहत मल्टीलिंगुअल एआई सिस्टम दिखाए, जिसमें भारतीय भाषाओं के लिए भारत का पहला सॉवरेन फाउंडेशनल लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) भी शामिल था।

भारत के एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्र सरकार ने 2024 में 10,300 करोड़ रुपए के आवंटन के साथ इंडिया एआई मिशन को मंजूरी दी। अगले पांच सालों में मिलने वाली यह फंडिंग इंडियाएआई मिशन के अलग-अलग हिस्सों को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज

पटना। बिहार के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव और उनके समर्थकों के खिलाफ बुद्धा कॉलोनी थाना में एक और एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस कार्रवाई में रुकावट को लेकर दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार देर रात पुलिस सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची थी, लेकिन उस दौरान उन्होंने गिरफ्तारी देने से इनकार कर दिया। इस दौरान सांसद के समर्थकों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई थी। हालात बिगड़ते देख सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालते हुए बाद में पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। जहां से पीएमसीएच शिफ्ट किया गया था। जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पप्पू यादव की पटना में आधी रात को हुई गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को पूर्णिया में जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर जाप कार्यकर्ताओं ने शहर में मशाल जुलूस निकाला और पप्पू यादव को अविलम्ब रिहा करने की मांग की।

एसआईआर के नाम पर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एसआईआर को लेकर एक प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने बीजेपी, चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर जमकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के माध्यम से बिहार का चुनाव जीता गया है। अब पश्चिम बंगाल में लगातार यही कोशिश हो रही है। इसकारण बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बीजेपी की काली करतूत को उजागर करने के लिए काला कोट पहनकर सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा।

प्रेसवार्ता में सपा अध्यक्ष अखिलेश अपने साथ सुल्तानपुर निवासी नंदलाल को भी लेकर आए थे। उन्होंने चुनाव आयोग और बीजेपी पर आरोप लगाकर कहा कि नंदलाल से बीजेपी ने एसआईआर का फॉर्म 7 भरा लिया। बीजेपी पर हमला बोलकर अखिलेश यादव ने कहा कि द्वापर और त्रेता के नाम वाले लोगों, दशरथ और नंदलाल से हमें बहुत मदद मिल गई। बता दें कि नंदलाल अंगूठा लगाते हैं। इसके बाद बीजेपी ने इनके फर्जी दस्तखत कर फॉर्म भरवा दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की तरफ से नंदलाल को 1 लाख रुपये का इनाम दिया गया है। हमारी मांग है कि चुनाव आयोग फॉर्म 7, जिससे नाम पर आपत्ति दर्ज होती है भरवाना तुरंत बंद करे।

अखिलेश ने कहा कि आयोग को सिर्फ फॉर्म-6 नाम जोड़ने वाले फॉर्म ही भरवाने चाहिए। नंदलाल के नाम पर 26 फॉर्म-7 भरे गए थे। एसआईआर के जरिए चुनाव आयोग द्वारा जानबूझकर मुस्लिम मतदाताओं का वोट काटा जा रहा है। इसलिए मैं कह रहा हूं कि यह एसआईआर, नहीं एनआरसी है। इसके पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया था।

कांग्रेस ने नवजोत कौर को किया निष्कासित, सिद्धू ने राहुल गांधी को कहा पप्पू

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में पिछले दो महीनों से जारी अनिश्चितता और बयानबाजी के दौर का अंत आखिरकार एक बड़े धमाके के साथ हुआ है। पूर्व विधायक डॉ. नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया है। इस निष्कासन से पहले ही 31 जनवरी को नवजोत कौर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन कांग्रेस आलाकमान के इस कड़े कदम ने यह साफ कर दिया है कि पार्टी अब सिद्धू परिवार की बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं करेगी। पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाए जाने के बाद नवजोत कौर के तेवर और भी तीखे हो गए। उन्होंने न केवल इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी, बल्कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने राहुल गांधी को पप्पू कहकर संबोधित किया जो आमतौर पर विपक्षी खेमे द्वारा उनके उपहास के लिए इस्तेमाल किया जाता है। नवजोत कौर का यह बयान कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों की कड़वाहट को चरम पर ले गया है। विवाद की जड़ें पिछले साल दिसंबर में जमीं, जब नवजोत कौर ने कांग्रेस नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री का चेहरा वही बनता है जो 500 करोड़ रुपए का सूटकेस देता है।

राजनीति

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा-अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य किया

भारत-अमेरिका ट्रेड डील ऐतिहासिक, किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह डील ऐतिहासिक है और पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, झुकने की नहीं। उन्होंने दो टूक कहा कि किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी और इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौहान ने साफ किया कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवंशिक रूप से संशोधित यानी जीएम कृषि उत्पादों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इसे भारतीय कृषि के लिए बेहद अहम फैसला बताया और कहा कि इससे हमारी मिट्टी, हमारे बीज और कृषि की शुद्धता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में सभी संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसे

उत्पादों पर किसी भी तरह की टैरिफ छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता हमारे प्रमुख अनाजों को लेकर थी और ये सभी सुरक्षित रखे गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि अमेरिका के लिए भारत ने अपने प्रमुख अनाज, फल और डेयरी उत्पादों का कोई द्वार नहीं खोला है। छिलका रहित अनाज, आटा, गेहूं, मक्का, चावल, बाजरा, आलू, प्याज, मटर, बीन्स, खीरा, मशरूम, दलहन, फ्रोजन सब्जियां, संतरे, अंगूर, नींबू और स्ट्रॉबेरी जैसे अमेरिकी कृषि उत्पाद भारत में नहीं आएंगे। इसके अलावा मिक्स डिब्बाबंद सब्जियों को भी भारत में अनुमति नहीं दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि दुग्ध उत्पादों में भी भारत ने अपनी सीमाएं स्पष्ट कर दी हैं। अमेरिका से लिक्विड दूध, मिल्क पाउडर, क्रीम, योगर्ट, बटरमिल्क, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर और चीज को भारत में प्रवेश नहीं मिलेगा। इससे भारतीय डेयरी सेक्टर और किसान परिवारों की आजीविका पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। चौहान ने कहा कि इस समझौते के तहत भारतीय किसानों के कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, जबकि अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में ऐसी कोई रियायत नहीं दी गई है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया है।

'विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' की संगोष्ठी का आयोजन

प्रदीप कुमार बैरसिया

जनपद सभागृह, बैरसिया में आज पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल की उपस्थिति में 721 लाख रुपये की लागत से 36 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। उन्होंने कहा की यह केवल शिलान्यास नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और ग्रामीण आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम है।इस अवसर पर विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) की कार्यशाला को संबोधित करते हुए स्व-सहायता समूहों की मातृशक्ति को सहायता राशि के चेक वितरित किए गए।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का संकल्प निरंतर आगे बढ़ रहा है।विकास, विश्वास और आत्मनिर्भर ग्राम की दिशा में हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री,भाजपा भोपाल ग्रामीण जिला अध्यक्ष तीरथ सिंह मीणा, जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर ,जनपद अध्यक्ष लता गुर्जर,जिला पंचायत सीईओ ईला तिवारी, विभागीय अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में सरपंच,सचिव एवं स्वा सहायता समूह की मातृशक्ति उपस्थिति रही।

सिरोंज में दिखी देसी ठाठ वाली शादी: सजी-धजी बैलगाड़ी पर विदा हुई दुल्हन, देखने उमड़ा जनसैलाब

सिरोंज, संवाददाता।

आधुनिकता के इस दौर में जहाँ लोग महंगी कारों और हेलिकॉप्टर के पीछे भाग रहे हैं, वहीं सिरोंज में एक ऐसी शादी हुई जिसने पुरानी परंपराओं की यादें ताजा कर दीं। यहाँ एक दुल्हन की विदाई लग्जरी कार में नहीं, बल्कि कलात्मक ढंग से सजी हुई बैलगाड़ी में हुई।

परंपरा और सादगी का संगम : इस अनोखी शादी में दूल्हा जहाँ परंपरागत तरीके से घोड़े पर सवार था, वहीं उसके पीछे करीब आधा दर्जन बैलगाड़ियों का काफिला चल रहा था। मुख्य आकर्षण का केंद्र वह बैलगाड़ी थी, जिसे फूलों और रंगीन पर्दों से दुल्हन की तरह सजाया गया था। इसी बैलगाड़ी में सवार होकर दुल्हन अपने ससुराल के लिए रवाना हुई।

ठिठक गए लोगों के कदम : जब यह अनोखा कारवां सिरोंज की सड़कों से गुजरा, तो राहगीर दंग रह गए।

लोग अपनी छतों और दुकानों से बाहर निकल आए और इस विंटेज नजारे को अपने मोबाइल में कैद करने लगे। बुजुर्गों का कहना है कि इस दृश्य ने उन्हें दशकों पुराने उस दौर की याद दिला दी, जब बैलगाड़ी ही शान की सवारी मानी जाती थी।

पुरानी संस्कृति को सहेजने का संदेश : दूल्हे और उसके परिवार का कहना है कि वे अपनी विरासत और ग्रामीण संस्कृति को जीवित रखना चाहते थे। शोर-शराबे वाली गाड़ियों के बजाय सादगीपूर्ण बैलगाड़ियों का चुनाव कर उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि अपनी जड़ों से जुड़े रहना ही असली शान है।

कलेक्टर प्रतिनिधि की मौजूदगी में थाने से प्रश्न-पत्र निकालें जायेंगे

मुरैना। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी की बोर्ड परीक्षाएं 10 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक संपन्न होगी। बोर्ड परीक्षाओं को संपन्न कराने के लिए कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने बोर्ड नियमों के तहत कलेक्टर प्रतिनिधियों की मौजूदगी में थाने से प्रश्न पत्र निकालने की व्यवस्था की है। कलेक्टर प्रतिनिधि थाने, चौकी से प्रश्न पत्र निर्धारित समय पर ही प्राप्त कर, सुरक्षा के अधीन परीक्षा केन्द्रों पर लाकर परीक्षा संचालन की कार्यवाही की जाना है। प्रत्येक थाने, चौकी में गोपनीय सामग्री निकालने के लिए केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष, थाना प्रभारी एवं कलेक्टर के प्रतिनिधि के समक्ष प्रश्न पत्र थाने, चौकी से निकालने की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर के प्रतिनिधि की अनुपस्थिति में संबंधित केन्द्राध्यक्ष द्वारा थाने, चौकी के दूरभाष से कलेक्टर अथवा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत (नोडल अधिकारी) को दूरभाष पर सूचित कर उनके निर्देशानुसार थाने, चौकी से प्रश्न-पत्र के बॉक्स निकालने की कार्यवाही करेंगे। प्रश्न-पत्र के बॉक्स निकालते समय प्रत्येक दिन केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष, थाना प्रभारी एवं कलेक्टर के प्रतिनिधि थाने, चौकी में रखी अभिरक्षा पंजी क्रमांक-1 में निर्धारित स्थान पर हस्ताक्षर किये जाना अनिवार्य होंगे। केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष प्रतिदिन ड्युटी (एक दिन केन्द्राध्यक्ष एवं दूसरे दिन सहायक केन्द्राध्यक्ष) बदलकर प्रश्न-पत्र के बॉक्स स्वयं निकालते समय पुलिस स्टेशन पर रखी अभिरक्षा पंजी क्रमांक-1 व परीक्षा केन्द्र पर रखी अभिरक्षा पंजी क्रमांक-2 में यथा स्थान प्रविष्टियाँ कर हस्ताक्षर करना सुनिश्चित करेंगे।

जयभान सिंह पवैया ने भोपाल प्रवास में भाजपा (म. प्र. - छत्तीसगढ़) के क्षेत्र संगठन मंत्री अजय जामवाल से भेंट कर सामाजिक व राजनीतिक विमर्श पर चर्चा की। साथ ही कहा कि उनका स्पष्ट दृष्टिकोण व बेलाग शैली कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर देती है।

कांग्रेस ने प्रदेश की लाड़ली बहनो और महिलाओं के ऊपर अपशब्द और गलत टिप्पणी करने के विरोध मंत्री करण सिंह वर्मा का पुतला दहन प्रदर्शन किया जायेगा।

एनसीसी के अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा से मजबूत हो रहा लोकतंत्र: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गणतंत्र दिवस शिविर एवं परेड में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेट्स और कैम्प में तीसरा स्थान पाने पर मप्र-छग की टुकड़ी को किया सम्मानित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एनसीसी युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति के संस्कार प्रदान करने वाला एक सशक्त माध्यम है। 'मुख्यमंत्री बैनर' जैसे कार्यक्रम युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास में एनसीसी मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ 'मुख्यमंत्री बैनर' कार्यक्रम को संबोधित किया। यह कार्यक्रम युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक दक्षता तथा राष्ट सेवा की भावना को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के विकास के लिए हम सबको सक्रिय भागीदारी करनी होगी। इस दिशा में युवाओं को विशेष रूप से आगे आना चाहिये। युवा साथी अपनी असीम ऊर्जा का पूरी जिम्मेदारी और समर्पण भाव से सदुपयोग कर प्रदेश के विकास में सहभागी बनें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना पूरी शक्ति के साथ देश की सीमाओं की रक्षा करने में सक्षम हैं। भारत ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया। देश में वैश्विक स्तर पर शांति के लिए दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। जब-जब आतंकियों ने दुस्साहस किया, हमारे सैनिकों ने अद्भुत पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए पड़ौसी देश में छिपे आतंकवादियों को तीन-तीन बार घर में घुसकर सबक सिखाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेनाओं में भी नारी सशक्तिकरण पर बल दिया जा रहा है। वर्ष 2026 का गणतंत्र दिवस समारोह नारी सशक्तिकरण को समर्पित रहा। देश में पहली बार परेड समारोह में अर्ध सैनिक बल की पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व महिला ऑफिसर कर रही थीं। प्रदेश की 23 बेटियों (एनसीसी कैडेट्स) को गणतंत्र दिवस परेड में मार्च करते हुए देखा तो सीना गर्व से फूल गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र सरकार ने सेनाओं और सशस्त्र बलों में महिलाओं को समान अवसर देने के लिए स्थाई कमीशन देने सहित अनेक कदम उठाए हैं। नौसेना की अग्निपथ योजना में बेटियों को आरक्षण मिल रहा है। सैनिक स्कूलों में भी बेटियों को दाखिला मिलने लगा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नई दिल्ली में हुए गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) की बेस्ट एनसीसी कैडेट्स प्रतियोगिता में एक स्वर्ण एवं 2 रजत पदक जीतने पर मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ निदेशालय को बधाई दी। इस वर्ष के गणतंत्र दिवस शिविर में देशभर के 17 निदेशालयों के कैडेट्स शामिल हुए और मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ निदेशालय ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए इसमें तीसरा स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने एनसीसी गणतंत्र दिवस टुकड़ी को सम्मानित किया एवं इस उपलब्धि के लिए कैडेट्स, प्रशिक्षक एवं अधिकारियों की निष्ठा, दृढ़ता और सतत प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, जबलपुर को प्रशिक्षण वर्ष 2025-26 के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का बेस्ट इंटर ग्रुप मुख्यमंत्री बैनर प्रदान किया।

मुख्यमंत्री से मिले स्विस संसद के सदस्य निक्लाउस सैमुअल गुगर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में स्विट्जरलैंड की संसद (नेशनल काउंसिल) के सदस्य श्री निक्लाउस सैमुअल गुगर ने सौजन्य भेंट की। श्री गुगर ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से औद्योगिक विकास, ऊर्जा संरक्षण सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, प्रबंध संचालक एमपीआईडीसी श्री चंद्रमौली शुक्ला सहित औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को स्विस संसद के सदस्य श्री गुगर ने स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों, प्रिसिशन मैन्युफैक्चरिंग और ऊर्जा दक्षता के लिए डिजिटल समाधान के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश औद्योगिक ऑटोमेशन और सतत् प्रौद्योगिकी में स्विस विशेषज्ञता का विशेष लाभ उठा सकता है। उन्होंने कहा कि जलवायु शासन, औद्योगिक संक्रमण पर नीति आदान-प्रदान के लिए स्विस संसदीय प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश आमंत्रित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल पर स्विस संसद सदस्य श्री गुगर ने मध्यप्रदेश के जलवायु और स्थिरता पहलों में स्विस निजी क्षेत्र की संभावित भागीदारी और यहां के युवाओं के लिए नवीकरणीय ऊर्जा एवं उन्नत विनिर्माण (एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग) में तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सहयोग/समर्थन देने की बात कही। उन्होंने कहा कि हरित प्रौद्योगिकी पर शोध के लिए स्विस विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त पहल की संभावनाएं भी तलाशी जा सकती हैं। श्री गुगर ने कहा कि स्विस नागरिकों के लिए मध्यप्रदेश को एक विरासत एवं इको टूरिज्म गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया जाए, इससे लोगों के बीच जुड़ाव बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों की योजना बनाई जा सकती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव से गत माह दावोस में हुए वर्ल्ड इकॉनामिक फोरम में स्विस संसद सदस्य श्री गुगर ने सौजन्य भेंट की थी।

भोपाल टैक्सी चालक संघ ने मोटर वाहन अधिनियम में बदलाव का किया विरोध

भोपाल। भोपाल टैक्सी चालक संघ सम्बद्ध (भारतीय मजदूर संघ ने एग्रीगेटर कंपनियों के हित में बनाए गए मोटर वाहन अधिनियम 2025 के खंड 17.3 एवं मोटर व्हीकल एक्ट धारा 67(3) को रद्द करवाने की मांग को लेकर परिवहन मंत्री को ज्ञापन सौंपा। इससे पूर्व संघ ने रैली निकाली। ज्ञापन में कहा गया है कि एग्रीगेटर कंपनियों ने अपने फायदे के लिए ओर प्लेटफार्म वर्कर्स का शोषण करने के उद्देश्य से मोटर वाहन अधिनियम दिशा निर्देश 2025 के खंड 17.3 के अनुसार राज्य सरकार द्वारा निर्धारित तय किराए से 50 प्रतिशत कम किराया निर्धारित करने का अधिकार प्राप्त किया है, और मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 67(3) के तहत प्राईवेट वाहनों को पैसेंजर ट्रासंपोर्ट के

लिए उपयोगी माना गया है, हम सभी कमर्शियल वाहन उपयोग कर्ता ड्राइवर संघ इन दौनो नियमों का विरोध करता है क्योंकि वर्तमान में कमर्शियल व्हीकल का सालाना खर्च महंगा हुआ है पेट्रोल, डीजल, छहल गैस, इंश्योरेंस, परमिट,

फिटनेस, टायर, एवं गाड़ियों के पास इत्यादि साल दर साल महंगे ही हुए हैं इसके अलावा ड्राइवर के घर परिवार का पालन पोषण एवं गाड़ियों की श्वस्ढ्ढ भरना भी बहुत मुश्किल हुआ है ऐसे में इन एग्रीगेटर कंपनियों ने अपनी आपसी प्रतिस्पर्धा को फायदा पहुंचाने के लिए मोटर वाहन अधिनियमों में बदलाव करवाए हैं जो पूरी तरह अनुचित एवं ड्राइवर विरोधी है महोदय, से निवेदन है कि तत्काल प्रभाव से इन दौनो नियमों को रद्द किए जाए, एवं कंपनियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाए कि एग्रीगेटर कंपनियां सरकारी रेट पर ही गाड़ियां संचालित करें, एवं सभी एग्रीगेटर कंपनियां अपने अपने प्लेटफॉर्म से प्राइवेट वाहनों के संचालन को तत्काल प्रभाव से बंद करें।

एडवोकेट आशीष मेघानी बने मिशन न्यू इंडिया के नव प्रदेश अध्यक्ष

भोपाल कार्यकारिणी की घोषणा, कई पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

भोपाल। मिशन न्यू इंडिया संगठन में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक निर्णय लेते हुए एडवोकेट आशीष मेघानी को मिशन न्यू इंडिया मुख्य शाखा का नव प्रदेश अध्यक्ष (मध्य प्रदेश) नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि चाणक्य की सहमति से की गई।

नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट आशीष मेघानी ने पदभार ग्रहण करते ही संगठन को मजबूती प्रदान करने की दिशा में कदम उठाते हुए भोपाल की कार्यकारिणी की घोषणा की। घोषित कार्यकारिणी में-प्रदेश महामंत्री के पद पर श्री राहुल साहू, उपाध्यक्ष के रूप में श्री विवेक राजोरिया,सचिव के पद पर श्री राजकुमार दांगी,तथा सह मीडिया प्रभारी के रूप में श्री हेमंत साहू को नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर नव प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट आशीष मेघानी ने कहा कि मिशन न्यू इंडिया के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुँचाने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए पूरी टीम समर्पित भाव से कार्य करेगी।संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को शुभकामनाएँ दीं और संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने का भरोसा जताया।

कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने स्कूल शिक्षा विभाग में हुये भ्रष्टाचार की जांच आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय से कराये जाने की मांग की

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस के सचिव राजकुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय को एक ज्ञापन सौंपकर लोक शिक्षण संचालनालय के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग में इंटरएक्टिव पैनल सहित विभिन्न खरीद प्रक्रियाओं में कार्टेल आधारित, योजनाबद्ध एवं संगठित भ्रष्टाचार के संबंध में जांच कराकर आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की है। प्रतिनिधि मंडल में श्री सिंह के साथ कांग्रेस नेता सर्वश्री जितेन्द्र मिश्रा, संतोष सिंह परिहार, प्रशांत गुरूदेव और राहुल बबेले उपस्थित थे। प्रतिनिधि मंडल द्वारा ज्ञापन के माध्यम से लोक शिक्षण संचालनालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग में की गई खरीद प्रक्रियाओं में हुई गंभीर अनियमितताओं जिसमें कार्टेल आधारित टेंडर प्रक्रिया, पूर्व निर्धारित कंपनियों को टेंडर अवार्ड, कम दरों की अनदेखी, कंपनियों के मूल्यांकन में पक्षपात, अन्य राज्यों से महंगी खरीदी, खरीदी में विसंगतियां, योजनाबद्ध तरीके से लूट आदि निम्न बिंदुओं के माध्यम से हुये संगठित भ्रष्टाचार की ओर आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय का ध्यान आकृष्ट कराया गया है। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने स्कूल शिक्षा विभाग में हुये भ्रष्टाचार की परतों को उखेडते हुये बताया कि क्रप् द्वारा जारी इंटरएक्टिव पैनल सप्लाई टेंडरों में ऐसी शर्तें रखी गईं, जिनसे खुली प्रतिस्पर्धा समाप्त हो गई और सीमित, पूर्व-निर्धारित कंपनियों को ही लाभ पहुँचा गया है, वहीं पूर्व-निर्धारित कंपनियों को टेंडर अवार्ड के तहत उपलब्ध दस्तावेज़ों से स्पष्ट होता है कि टेंडर प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी तथा चयन पहले से तय कंपनियों के पक्ष में किया, वहीं कम दरों की जानबूझकर अनदेखी कर बाज़ार एवं पोर्टल पर कम दरों पर उपलब्ध सामग्री को नजरअंदाज कर अधिक दरों पर खरीद की गई, जिससे शासन को आर्थिक क्षति पहुंचायी गई है। प्रतिनिधि मंडल ने मामले को उजागर करते हुये कंपनियों के मूल्यांकन में पक्षपात का आरोप लगाते हुये बताया कि LG एवं Samsung जैसी कंपनियों को योग्य घोषित किया गया, जबकि ACER को अयोग्य ठहराया गया जो न तो नियमसम्मत थे और न ही तार्किककृस्पष्ट उद्देश्य प्रतिस्पर्धा को खत्म करना था। कांग्रेस नेताओं ने आयुक्त को बताया कि प्रक्रिया में अन्य राज्यों से महंगी खरीदी की गई है। वहीं असम जैसे राज्यों में वही इंटरएक्टिव पैनल कम कीमत, बेहतर वारंटी एवं स्पष्ट स्पेसिफिकेशन के साथ खरीदे गए, जिससे मध्य प्रदेश में की गई महंगी खरीद पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

बिजली कंपनी के वॉट्सएप चैटबॉट से बिल डाउनलोड और बिल भुगतान की सुविधा

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि वॉट्सएप चैटबॉट से बिल डाउनलोड एवं बिल भुगतान सहित अनेक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके लिए उपभोक्ता को कहीं भी जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि वे अपने मोबाइल के माध्यम से बिजली बिल डाउनलोड एवं भुगतान सहित अन्य 10 सेवाओं का फायदा उठा सकते हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि चैटबॉट नंबर 0755 2551222 पर 'Hi' (हाय) लिखते हैं तो तुरंत आपके सामने क्रमशः 10 अलग-अलग सुविधाओं की सूची आ जाएगी। यदि आपको अपने घर का बिजली बिल भरना है तो इसमें 2 नंबर पर 'फॉर बिल' का ऑप्शन दिखता है। मैसेज बॉक्स में जैसे ही आप 2 लिखते ही आपको 1 नंबर 'फॉर व्यू एंड पे एलटी बिल' का ऑप्शन सहित तीन अन्य ऑप्शन भी दिखेंगें। जब आप अपने बिल के लिए 1 नंबर लिखेंगे तो दो ऑप्शन आएंगे। इसमें 1 नंबर पर 'टू यूज मोबाइल नंबर' और 2 नंबर पर 'फॉर इंटर कस्टूमर आईडी। इसमें आप अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के लिए जैसे ही 'टू यूज मोबाइल नंबर' के लिए 1 नंबर लिखेंगे तो आपके कनेक्शन नंबर दिखेंगे। इसमें जिस नंबर का बिल आपको चाहिए वह नंबर जैसे ही लिखेंगे तो तुरंत आपके मोबाइल पर बिल की राशि सहित पीडीएफ आ जाएगी। इसी में 'व्यू एंड पे' तथा 'पे नाऊ' का ऑप्शन दिखेगा। यदि आप पहले बिल देखना चाहते हैं तो 'व्यू एंड पे' को टच करेंगे। यदि आपको राशि देखकर उसे जमा करना है तो 'पे नाऊ' को टच करना होगा। जैसे ही आप 'पे नाऊ' को टच करेंगे तो आपसे भुगतान के विकल्प पूछे जाएंगे।

63वें वर्ष में ऐतिहासिक होगा श्री रामजन्म महोत्सव

द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर में 19 से 27 मार्च तक रामकथा, रामनवमी पर भव्य शोभायात्रा

इटारसी। नर्मदांचल की आस्था के प्रमुख केंद्र श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर में इस वर्ष 63वां श्री रामजन्म महोत्सव ऐतिहासिक स्वरूप में मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियों, रूपरेखा और व्यवस्थाओं को लेकर रविवार को मंदिर प्रांगण में समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर सुझाव आमंत्रित किए गए।

1963 से चली आ रही परंपरा, रामकथा और शोभायात्रा का विशेष महत्व : समिति द्वारा वर्ष 1963 से निरंतर श्री रामकथा एवं रामनवमी पर शोभायात्रा निकालने की परंपरा निभाई जा रही है। इस वर्ष भी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 19 मार्च (गुरुवार) से राम नवमी 27 मार्च (शुक्रवार) तक प्रतिदिन सायं 7 से 10 बजे तक रामकथा का आयोजन होगा।

श्रीमद प्रयागपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ओंकारानंद सारसेटी जी महाराज के श्रीमुख से नगरवासी रामकथा का श्रवण करेंगे।

समिति बैठक में बनी व्यापक रणनीति : समिति प्रवक्ता भूपेंद्र विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि बैठक में समिति सचिव अभिषेक तिवारी ने आयोजन की समग्र रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आयोजन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने विचार रखे।

संरक्षक प्रमोद पगारे ने इस वर्ष के महोत्सव को अधिक भव्य स्वरूप देने पर बल देते हुए कथा एवं चल समारोह में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता का आह्वान किया।

भव्य और दिव्य स्वरूप में निकलेगा चल समारोह : समिति अध्यक्ष डॉ. नीरज जैन ने कहा कि महोत्सव को लेकर समिति ने व्यापक तैयारी और योजना बनाई है। नगर की मंदिर समितियों, धार्मिक व सामाजिक संगठनों तथा नवरात्र देवी प्रतिमा समितियों से संपर्क कर उन्हें इस पावन आयोजन में सहभागी बनने का निमंत्रण दिया जाएगा। योजनानुसार रामनवमी पर निकलने वाला चल समारोह अखाड़ों, डंडा नृत्य एवं आकर्षक सांस्कृतिक झांकियों के साथ निर्धारित मार्ग से भव्य और दिव्य स्वरूप में निकलेगा।

बड़ी संख्या में उपस्थित रहे पदाधिकारी : बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष विपिन चांडक, उपाध्यक्ष विष्णुशंकर पांडे, कोषाध्यक्ष प्रकाश मिश्रा, सह कोषाध्यक्ष अमित सेठ, संयुक्त सचिव शैलेंद्र दुबे, उपाध्यक्ष देवेंद्र पटेल, पूर्व अध्यक्ष सतीश अग्रवाल सांवरिया, पूर्व सचिव अशोक शर्मा (एडवोकेट), मनोज सारन, एम.एल. गौर, दिनेश सैनी, संदेश अग्रवाल, अक्षय तिवारी, विन्नी जुनेजा, अशोक मालवीय, राजकुमार यादव, प्रह्लाद बंग, दीपक उज्जैनिया, सुरेंद्र राजपूत, सुनील दुबे (शिक्षक), घनश्याम तिवारी सहित समिति के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

तनावमुक्त परीक्षा का संदेशः मकोडिया स्कूल में कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई

सिवनी मालवा। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की वार्षिक परीक्षाएं 10 फरवरी से प्रारंभ हो रही हैं। इसी क्रम में शासकीय उच्चतर हाई स्कूल मकोडिया में कक्षा नवमी के छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन-अर्चन से हुई। समारोह में संकुल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हिरनखेड़ा के प्राचार्य राकेश साहू एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोमलवाड़ा के प्राचार्य राममोहन रघुवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का

संचालन छात्रा तनीशा लोवंशी ने किया।

इस अवसर पर कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। कक्षा नवमी के छात्र-छात्राओं ने तिलक लगाकर वरिष्ठ विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा स्मृति-चिह्न भेंट किए। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को तनावमुक्त होकर परीक्षा देने, परीक्षा केंद्र पर निर्धारित समय से आधा घंटा पूर्व पहुंचने और पूर्ण अनुशासन बनाए रखने की सलाह दी। साथ ही अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होकर संस्था और गांव का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि परीक्षा अवकाश के दौरान यदि किसी विद्यार्थी को किसी विषय में कठिनाई हो तो वे विद्यालय में उपस्थित होकर शिक्षकों से मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। विद्यार्थियों द्वारा स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई तथा संस्था को उपहार भेंट किए गए।

इस अवसर पर संस्था प्राचार्य हरि परेवा सहित शिक्षकगण—रेवाराम कासदे, शैलेंद्र रामटेके, प्रतिभा नामदेव, श्रीमती रीमा सिंह, राधिका नामदेव, रेशमा सिकरवार और संतोष सोलंकी उपस्थित रहे। समारोह का समापन शुभकामनाओं और उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

नगरपालिका बैरसिया में अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़ ने किया भूमिपूजन

प्रदीप कुमार बैरसिया

नगरपालिका परिषद् बैरसिया ने अमृत योजना के अंतर्गत वार्ड 18 में निर्मित होने वाली ओवरहेड पानी की टंकी का भूमिपूजन नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़ एवं पार्षदों के द्वारा अमृत 2.0 मिशन के अंतर्गत, बनने वाली नवीन पेयजल टंकी का भूमि पूजन किया गया इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़ ने कहा, नगर के सभी वार्डों को इससे लाभ होगा और प्रति व्यक्ति पेयजल आपूर्ति में सुधार होगा पेयजल व्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से सुदृढ़ बनाएगी। उन्होंने कहा की सरकार का संकल्प है की देश के हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचे और वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाया जाए। इस योजना के अंतर्गत संजय सागर से लाया गया पेयजल नगर के प्रत्येक घर तक पहुँचाया जाएगा, यह परियोजना क्षेत्र के नागरिकों को स्थायी, स्वच्छ एवं भरपूर पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। वही इस अवसर पर, सीएमओ राजेंद्र कुमार सक्सेना, पार्षद रणधीर राजपूत, पार्षद राधे पटेल, पार्षद नीरज नामदेव, हेमराज कुशवाहा कन्हैया लाल जाटव एवं जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में वार्डवासियों कीउपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने दिए बेसहारा बुजुर्गों को घर कंपनी ने थमा दिए खाली करने के नोटिस

इंदौर। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा करोड़ों की लागत से तैयार किए गए बुजुर्गों के आशियाने स्नेहधाम में अचानक हलचल मच गई है। इस केंद्र का संचालन करने वाले कॉन्ट्रैक्टर ने यहां रह रहे बुजुर्गों को अचानक जगह खाली करने का नोटिस थमा दिया है। इस अप्रत्याशित सूचना के बाद यहां निवास कर रहे वरिष्ठ नागरिकों में हड़कंप मच गया है। स्नेहधाम का संचालन करने वाली कंपनी बालाजी के डायरेक्टर विवेक तिवारी ने कहा है कि इस विशाल भवन में कुल 108 वरिष्ठ नागरिकों के रहने की व्यवस्था है, लेकिन वर्तमान में केवल 4 से 5 लोग ही यहां रह रहे हैं। तिवारी के अनुसार इतने कम लोगों के साथ केंद्र का संचालन करना आर्थिक रूप से संभव नहीं हो पा रहा है। दूसरी ओर, इंदौर विकास प्राधिकरण ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है। आईडीए ने कॉन्ट्रैक्टर को ब्लैक लिस्ट करने और उसकी अर्नेस्ट मनी जब्त करने की चेतावनी दी है। प्राधिकरण का स्पष्ट कहना है कि यदि मौजूदा संचालक इसे नहीं चला पाता है तो किसी अन्य एनजीओ को इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। वहीं आईडीए सीईओ परीक्षित झाड़े ने यह भी कहा है कि बुजुर्गों से घर खाली नहीं करवाए जाएंगे, कंपनी ने यह नोटिस दिए

हैं जिसकी जांच चल रही है। बुजुर्गों को परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

बुजुर्गों के लिए सदमे जैसी स्थिति

नोटिस मिलने के बाद बुजुर्गों के सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। यहां रहने वाले अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों ने स्नेहधाम को ही अपना स्थाई घर मान लिया था। इनमें से किसी ने अपना पुश्तैनी घर किराए पर दे दिया है तो किसी ने उसे खाली छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 जून 2025 को इस भवन का लोकार्पण कर इसे बुजुर्गों के हित में एक बड़ा कदम बताया था, लेकिन अब 28 फरवरी तक भवन खाली करने के निर्देश ने इन बुजुर्गों की रातों की नींद उड़ा दी है।

भारी भरकम खर्च और सुविधाओं का दावा

स्नेहधाम में रहने के लिए बुजुर्गों को भारी कीमत चुकानी पड़ती है। यहां रहने वाली महिलाओं ने अधिकारियों से शिकायत की है कि बालाजी कंपनी के संचालकों ने उनसे दो लाख रुपए एडवांस डिपॉजिट के रूप में लिए हैं और प्रतिमाह 35 हजार रुपए किराया वसूला जाता है। पीड़ितों में 70 से 90 वर्ष की महिलाएं और दिव्यांग भी शामिल हैं, जिनका कहना है कि इस उम्र में वे अब अचानक कहां जाएंगी।

करोड़ों का निवेश और आधुनिक ढांचा

आईडीए ने स्कीम 134 में 20 हजार वर्गफीट के भूखंड पर करीब 18 करोड़ रुपए खर्च करके इस छह मंजिला भवन का निर्माण किया है। इस सर्वसुविधायुक्त बिल्डिंग में 32 फ्लैट्स हैं, जहां भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं, टीवी, लॉन्ड्री और बिजली जैसी तमाम सुविधाएं देने का वादा किया गया था। वर्तमान में कंपनी के डायरेक्टरों का कहना है कि वे टेंडर सरेंडर करना चाहते हैं और बुजुर्गों को अन्य जगह शिफ्ट करने के लिए चर्चा कर रहे हैं।

हमीदिया अस्पताल में डॉक्टर बनकर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। राजधानी की शासकीय हमीदिया अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों से एक जालसाज ने डॉक्टर बनकर ठगी की है। जालसाज को हमीदिया में भर्ती मरीजों का डेटा अस्पताल के कर्मचारियों, आउससोर्स कर्मचारियों द्वारा पहुंचाए जाने की आशंका है। जालसाज हमीदिया में भर्ती करीब 10 से अधिक मरीजों के परिजनों को डॉक्टर बनकर फोन किया और बेहतर इलाज, इमरजेंसी में महंगी जांच और सुरक्षित ऑपरेशन का झांसा देकर पांच से दस हजार तक की राशि ऑनलाइन अपने और कुछ अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर करा ली। राशि ट्रांसफर करने के बाद परिजनों ने जब अपने मरीज के बेहतर इलाज के संबंध में उक्त नंबर पर बात करना चाहा तो नंबर बंद आने लगा। कई बार नंबर चालू मिला, लेकिन जालसाज ने मरीज के परिजन का नंबर ब्लॉक कर दिया था। इसके बाद कुछ लोगों ने हमीदिया के अधीक्षक डॉ. सुनीत टंडन के पास शिकायत की। इसके बाद अधीक्षक डॉ. टंडन ने पीड़ित मरीज के जरिए ठग को दोबारा संपर्क कर अन्य मरीज के बेहतर इलाज के लिए पैसे देने का लालच किया और बात की। इसके बाद साइबर पुलिस और भोपाल क्राइम ब्रांच ने जालसाज के नंबर को ट्रेस किया, जो इंदौर में एक्टिव मिला। इसके बाद भोपाल पुलिस ने इंदौर

पुलिस से संपर्क किया और वहां पहुंचकर आरोपी को धर दबोचा। जालसाज की पहचान 36 वर्षीय जितेंद्र खाकरे के रूप में हुई है। जितेन्द्र खाकरे मूलत-बैतूल का रहने वाला है।

क्राइम ब्रांच को सौंपी जांच

भोपाल पुलिस और हमीदिया प्रबंधन के बुने जाल में तीन दिन बाद जालसाज फंस गया और उसे गिरफ्तार का कोहेफिजा थाने में रखकर पूछताछ की जा रही है। जालसाज से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि हमीदिया अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों के मोबाइल नंबर, उनकी बीमारी और चल रहे इलाज के संबंध में सटीक जानकारी अस्पताल के कौन-कौन कर्मचारी दे रहे थे। पुलिस और अस्पताल प्रबंधन दोनों को आशंका है कि हमीदिया में कार्य करने वाले कर्मचारियों जिनमें आउटसोर्स भी शामिल हो सकते हैं उन्होंने मरीजों का डाटा जालसाज तक पहुंचाया होगा। पुलिस अब जालसाज के मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल खंगाल रही है, ताकि उसके संपर्क में रहने वाले अस्पताल के कर्मचारियों का पता लगाया जा सके।

भरोसे में आकर दस से अधिक मरीजों के परिजनों ने दी राशि

जानकारी के अनुसार जालसज के भरोसे में आकर हमीदिया में भर्ती करीब दस से अधिक मरीजों के परिजनों ने पांच से दस हजार तक की राशि जालसाज के बताए मोबाइल नंबर व बैंक खातों में ट्रांसफर कराई थी। जालसाज ने सबसे पहले विनोद अहिरवार नाम के व्यक्ति को फोन कर दस हजार मांगे थे। विनोद की पत्नी हमीदिया में भर्ती थीं। उनका ऑपरेशन होना था। कोहेफिजा थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने बताया कि जालसाज के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जालसाज जितेन्द्र खाकरे ठगी के नेटवर्क को अस्पताल के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत से संचालित कर रहा था। कर्मचारी ही मरीजों की जानकारी उस तक पहुंचाते थे। कर्मचारियों की शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। जो भी कर्मचारी संलिप्त पाया जाएगा, उसे भी आरोपी बनाया जाएगा।

इंदौर की बेटी आंकाक्षा ने 19 हजार फीट ऊंची किलिमंजारों चोटी पर की चढ़ाई, साड़ी पहन लहराया तिरंगा

इंदौर, सांध्यप्रकाश। इंदौर की पर्वतारोही आकांक्षा शर्मा कुटुम्बले ने 19341 फीट की ऊंचाई पर स्थित अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले उन्होंने पिछले वर्ष सितंबर माह में यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुस पर भी चढ़ाई की थी। ये दोनों चोटियां विश्व की प्रतिष्ठित सेवन समिट्स में शामिल हैं। पेशे से सिविल इंजीनियर आकांक्षा दोनों शिखरों पर चढ़ाई करने वाली इंदौर की संभवतः पहली पर्वतारोही हैं। साथ ही वे ऐसा करने वाली मध्य भारत की चुनिंदा पर्वतारोहियों में भी शामिल हो गई हैं। माउंट किलिमंजारो पर्वत की ऊंचाई बेस से शिखर तक की ऊंचाई के लिहाज से दुनिया की किसी भी अन्य पर्वत चोटी से अधिक है। भूमध्य रेखा के समीप स्थित होने के कारण इसकी भौगोलिक परिस्थितियां अन्य पर्वत श्रृंखलाओं से अलग हैं, जिसके चलते शिखर पर ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है।आकांक्षा को भी चढ़ाई के दौरान ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ा।

फ्लाईओवर के लिए आनंद नगर से मंदिर, वार्ड ऑफिस-पुलिस चौकी हटेगी

पूजा-अर्चना के बाद दूसरे मंदिर में स्थापित होंगी मूर्तियां

भोपाल। भोपाल के आनंद नगर तिराहे के पास से 3 मंदिर, वार्ड ऑफिस, पुलिस चौकी और सार्वजनिक शौचालय हटाने की कार्रवाई अगले हफ्ते होगी। अफसरों की माने तो 3 में से 2 मंदिर पूरे और एक आधा हटाया जाएगा। यहां विराजित भगवान की मूर्तियों को विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद दूसरे मंदिर में स्थापित किया जाएगा।

तीनों मंदिर में भगवान शिव, हनुमान और मां दुर्गा की मूर्तियां स्थापित हैं। इस संबंध में मंदिर के पुजारियों से भी बात की गई है। तिराहे पर पुलिस चौकी को सामने खाली जगह पर शिफ्ट किया जा रहा है। वहीं, वार्ड ऑफिस की पास के वार्ड कार्यालय में शिफ्टिंग की जा रही है। निगम के सामुदायिक शौचालय को भी अगले तीन से चार दिन के अंदर हटाने की कार्रवाई होगी।

आनंद नगर तिराहे पर शुक्रवार को कुल 146 दुकानों को हटाने की कार्रवाई हो चुकी है। सुबह से शाम तक दुकानें तोड़ दी गईं। कई दुकानदारों ने स्वैच्छा से ही दुकानें हटा ली थी। कुछ दिन पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी यहां पहुंचे थे और दुकानें हटाने पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। हालांकि, प्रशासन पहले ही मुआवजा वितरित कर चुका था। इसलिए लोगों ने स्वैच्छा से अपनी दुकानें हटाने का काम शुरू कर दिया था।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफिस इंडिया (एनएचएआई) नेशनल हाईवे-146 के आशाराम तिराहा से रत्नागिरी तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबी सड़क को चौड़ा कर रहा है। सिक्सलेन निर्माण के दौरान ही आनंद नगर में फ्लाईओवर भी बनेगा। इसके लिए सड़क किनारे की दुकानें हटाई गई है। ताकि, निर्माण में कोई दिक्कत न हो।

एका-द वन प्रदर्शनी में कैनवास पर उतरी चौसठ योगिनियों की शक्ति और दिव्य स्त्री ऊर्जा

भारत भवन में बीना एस उन्नीकृष्णन की 'एका-द वन' प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल। बहुकला केन्द्र भारत भवन की आधुनिक कला दीर्घा शुक्रवार से दिव्य स्त्री शक्ति और आंतरिक ऊर्जा का सजीव दृश्य संसार बन गई। कला दीर्घा में केरल की वरिष्ठ चित्रकार बीना एस उन्नीकृष्णन की एकल चित्र प्रदर्शनी 'एका-द वन ' का शुभारंभ हुआ। रूपंकर कला प्रभाग द्वारा संयोजित इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में चौंसठ योगिनियों पर केन्द्रित चित्रों का अद्भुत संग्रह कला प्रेमियों के लिए प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव संस्कृति विभाग

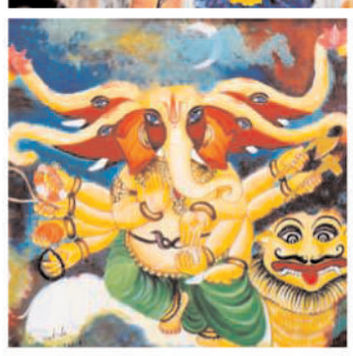

शिवशेखर शुक्ला, संस्कृति संचालक पीएन नामदेव, भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल सहित बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित हुए। खास बात यह है कि मध्यप्रदेश में पहली बार चौसठ योगिनी पर केन्द्रित चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में कुल 68 चित्र प्रदर्शित हैं, जो एक्रेलिक रंगों में निर्मित हैं और अपनी सशक्त अभिव्यक्ति के कारण दर्शकों को गहरे स्तर पर प्रभावित करते हैं। चित्रकार बीना एस उन्नीकृष्णन ने बताया कि उनके सभी चित्र 'फेमिना इन एनर्जी' पर केन्द्रित हैं। हर एक चित्र अपने आप में एक स्वतंत्र कथा कहता है कभी मौन के माध्यम से, तो कभी तीव्र दृष्टि और गतिमान रेखाओं के ज़रिये। चमकती आंखें, लहराते केश और प्रभावशाली उपस्थिति इन दिव्य स्त्री शक्तियों को समकालीन सांस्कृतिक विमर्श में पुनः स्थापित करती हैं। कला प्रेमी 8 फरवरी तक दोपहर 2 से रात 8 बजे तक चित्र देख सकते हैं।

64 योगिनी मंदिरों की यात्राएं की पूरी

बीना ने बताया कि प्रदर्शनी में प्रदर्शित सभी चित्र वर्ष 2015 से 2020 के बीच तैयार किए गए हैं। इन चित्रों के सृजन से पहले उन्होंने मध्य प्रदेश, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में स्थित 64 योगिनी मंदिरों की विस्तृत यात्राएं कीं। वे कहती हैं कि भले ही इन मंदिरों का वास्तुशिल्प संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा किया गया हो, लेकिन देवियों को खंडित अवस्था में देखना अत्यंत पीड़ादायक अनुभव है। देवी को टूटे हुए रूप में देखना भीतर तक विचलित कर देता है। वे कहती हैं इन स्थलों में आज भी अपार ज्ञान और अर्थ छिपा हुआ है, जिसे समझने और संप्रेषित करने की आवश्यकता है। प्रदर्शनी के अवसर पर चौसठ योगिनी विषय पर आधारित लगभग 60 मिनट की डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया। इस डॉक्यूमेंट्री में योगिनियों के इतिहास, उनकी ऊर्जा और पौराणिक महत्व को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

भीतर विद्यमान ऊर्जा का प्रतीक

बीना कहती हैं कि यह कलात्मक यात्रा तब आरंभ हुई जब उन्होंने महा त्रिपुरसुंदरी का चित्रण शुरू किया। वे एक शक्तिशाली सार्वभौमिक ऊर्जा हैं और उनकी 64 अभिव्यक्तियां ही योगिनियों के रूप में सामने आती हैं। केरल के कोल्लम की मूल निवासी बीना ने बताया कि गौरी नये और सौम्य विकास के माध्यम से परिवर्तन का प्रतीक हैं, चामुंडा दिव्य सतर्कता का स्वरूप हैं जो सत्य और पवित्रता की रक्षा करती हैं, जबकि भद्रकाली आध्यात्मिक ज्ञान की शक्ति का वहन करती हैं, जो भ्रम को काटकर स्पष्टता और संतुलन स्थापित करती हैं। यह श्रृंखला उनकी पांचवीं प्रदर्शनी है, जो आध्यात्मिक चेतना के संगम का सशक्त उदाहरण है।

मध्यप्रदेश सांस्कृतिक स्वरूप में समृद्ध है

इस अवसर पर शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि यह यूनिक संग्रह है। कलाकार ने चित्रों के माध्यम से अपने भाव को दिखाया है। उन्होंने कहा कि जबलपुर और ग्वालियर के मितावली के पास चौसठ योगिनी मंदिर है। यह मंदिर हमारी धरोहर है। उन्होंने कहा कि चित्रकार बीना ने लगभग एक वर्ष पहले अपने इस कार्य पर चर्चा की थी। मध्यप्रदेश सांस्कृतिक स्वरूप में समृद्ध है। यहां बाबा महाकाल, ओंकारेश्वर और खजुराहो के मंदिर है। लेकिन बीना ने बड़ी ही खूबसूरती के साथ हमारी विरासत को सजीव रूप देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि यह चित्र प्रदर्शनी ग्वालियर के मितावली में भी शीघ्र प्रदर्शित की जाएगी।

संपादकीय

क्यों अब भी नहीं रुक पा रहे जानलेवा मांझे

किसी खास किस्म के मांझे से दूसरों की पतंग काटने की लोगों के भीतर कैसी भूख है कि यह राह चलते निर्दोष लोगों और मासूम पक्षियों के लिए जानलेवा बन जाती है। यह जानते-समझते हुए भी लोग खतरनाक मांझे से पतंग उड़ाते हैं, जिनसे उलझ कर हर साल कई लोग जख्मी हो जाते हैं। इससे कई लोगों की जान भी जा चुकी है।अब ऐसे हादसों को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने ठोस कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीनी मांझे से होने वाली मौत को हत्या की श्रेणी में रखते हुए दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, एक दिन पहले ही लखनऊ में मांझे वाले धागे से गला कटने की वजह से एक युवक की मौत हो गई थी।राज्य सरकार अब विशेष अभियान चला कर चीनी मांझा बेचने वालों पर कार्रवाई करेगी। सवाल है कि तमाम पाबंदियों के बावजूद ये धागे उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में चोरी-छिपे या खुलेआम कैसे बिक रहे हैं। ये कहां से आते हैं और इनके स्रोत क्या हैं? यह किसकी लापरवाही का नतीजा है और इसे रोकने में संबंधित एजंसियां अब तक नाकाम क्यों रही हैं? यह दुखद है कि जन सरोकार के इतने बड़े मसले की हर स्तर पर उपेक्षा होती रही है। समय-समय पर चीनी मांझे पर प्रतिबंध लगाने की बातें की गईं, लेकिन वे कारगर साबित नहीं हुईं। प्रश्न यह है कि इन धागों को बेचने की छूट कौन देता है?गौरतलब है कि इसे खरीदने और बेचने पर पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम की धारा पंद्रह के तहत सजा और जुर्माने का प्रावधान है। मगर इनका सख्ती से अनुपालन नहीं किया जाता। चीनी मांझे पर कई राज्यों में रोक है। दिल्ली में भी पाबंदी है, लेकिन यहां भी ये बेरोकटोक बिकते हैं।साफ है कि चीनी मांझे के बाजार में पहुंचने से लेकर बिकने तक, कहीं भी नियमों का पालन नहीं हो रहा। खतरनाक मांझे के साथ पतंग उड़ाने का ऐसा क्या जुनून है लोगों में कि जोखिम की आशंका के बावजूद वे न सजा से डरते हैं, न जुर्माने से। इस तरह के जानलेवा धागे से पतंग उड़ाने की जिद को किस तरह देखा जाएगा?

देखा जाए तो भारत का विदेश व्यापार वर्तमान में भारी घाटे में है, जो दिसंबर 2025 में 25 अरब डॉलर तक पहुंच गया। विपरीत स्थिति यानी कारोबारी घाटा चीन, रूस, यूएई और इराक जैसे 75 देशों के साथ है जहां व्यापार घाटा हमेशा बना रहता है, क्योंकि यहां से आयात निर्यात से बहुत ज्यादा होता है। भारत की सियासत 'वैचारिक अकाल' से पीड़ित है, जिसका असर हमारे घरेलू कारोबार के अलावा विदेश व्यापार पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। सच कहूं तो राष्ट्र की 'आर्थिक स्वायत्तता' ही चीन और रूस जैसे देशों के समक्ष गिरवी प्रतीत हो रही है। यह ठीक है कि रूस हमारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मददगार मित्र है, जिसके द्वारा शोषण किया जाना स्वाभाविक है।

आखिर घाटे वाले विदेश व्यापार को मुनाफे वाले कारोबार में कब और कैसे बदलेगा भारत?

(कमलेश पांडे)

चीन जैसे मजबूत और पड़ोसी शत्रु देश को इतना भारी कारोबारी लाभ देने के बावजूद यदि हम उसे अपना मित्र नहीं बना पाए तो यह बात सिर्फ यही चुगली करती है कि हमारी आंतरिक दलित और पिछड़ी नीतियों की वजह से भारत रणनीतिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी पिछड़ता प्रतीत होता हैं। यही वजह है कि आर्थिक विशेषज्ञ यह सवाल दाग रहे हैं कि आखिर घाटे वाले विदेश व्यापार को मुनाफे वाले अंतरराष्ट्रीय कारोबार में कब और कैसे बदलेगा भारत?देखा जाए तो भारत का विदेश व्यापार वर्तमान में भारी घाटे में है, जो दिसंबर 2025 में 25 अरब डॉलर तक पहुंच गया। विपरीत स्थिति यानी कारोबारी घाटा चीन, रूस, यूएई और इराक जैसे 75 देशों के साथ है जहां व्यापार घाटा हमेशा बना रहता है, क्योंकि यहां से आयात निर्यात से बहुत ज्यादा होता है। इसलिए हमारा सरकारी प्रयास निर्यात बढ़ाने पर केंद्रित हैं, लेकिन अधिशेष (सर्विस ट्रेड को छोड़कर गुड्स ट्रेड में) प्राप्त करने का कोई निश्चित समयसीमा नहीं है। वर्तमान स्थिति में भारत का व्यापार घाटा एफवाई (एफबाय) 2026 के पहले क्वार्टर में एफटीए (एफटीए) देशों के साथ 59 प्रतिशत बढ़कर चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया, जहां निर्यात 9 प्रतिशत गिरा और आयात 10 प्रतिशत बढ़ा। आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर 2025 में यह 25.04 अरब डॉलर रहा, जबकि अनुमान 2027 तक -32 अरब डॉलर का है। यानी वर्तमान के साथ साथ निकट भविष्य भी अंधकारमय है।

खासकर रूस, चीन और आसियान जैसे साझेदारों के साथ ही घाटा प्रमुख समस्या बनी हुई है। रूस तो भारत का भरोसेमंद मित्र है, हथियार व तकनीकी आपूर्तिकर्ता है। लेकिन चीन के खिलाफ आसियान देश समूह को संतुलित करने/रखने की नीति हम पर अब भारी महसूस हो रही है। लुक ईस्ट की नीति भी सफेद हाथी साबित हुई। हां, लाभ देने वाले पश्चिमी देशों को यदि विकल्प दिखाकर काबू में रखना है तो फिर कुछ नहीं कहना। क्योंकि यूरोपीय संघ से मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) होते ही अमेरिकी अकड़ ढीली पड़ गई और उसके साथ भी एफटीए हो गया।

हालांकि भारत की कारोबारी चुनौतियाँ यह हैं कि चीन, रूस और कोरिया के अलावा स्विट्जरलैंड, यूएई, इराक जैसे देशों से आयात अधिक है, जबकि अमेरिकी कूटनीतिक व रणनीतिक टैरिफ ने निर्यात प्रभावित किया, जबकि अब इसका खतरा टल गया है क्योंकि अमेरिका ने टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। वहीं, एफटीए (एफटीए) के बावजूद आसियान निर्यात गिरा, और सोना-तेल आयात घाटा बढ़ा रहा। मसलन, लॉजिस्टिक्स, अनुपालन लागत और वैश्विक टैरिफ हमारे विदेश व्यापार की प्रमुख बाधाएँ हैं। फिर भी भविष्य की संभावनाएँ बरकरार हैं। खासकर घाटा कम करने के लिए निर्यात विविधीकरण, जीवीसी एकीकरण और अवसंरचना सुधार आवश्यक हैं, लेकिन पूर्वानुमान 2027 तक भी घाटा दिखाते हैं।

कहना न होगा कि भारत का विदेश व्यापार घाटा मुख्य रूप से चीन, रूस, स्विट्जरलैंड, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ है। दरअसल, यह घाटा ऊर्जा आयात, इलेक्ट्रॉनिक्स और कच्चे माल की उच्च निर्भरता के कारण बढ़ रहा है। इसलिए भारत को नीतिगत दूरदर्शिता दिखाते हुए इन घाटों पर काबू पाना होगा। आंकड़े बताते हैं कि भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से अधिकांश (शीर्ष 10 में 9) के साथ हमारा घाटा वाला कारोबार है– पहला, चीन- सबसे बड़ा घाटा (2024-25 में 99.2 बिलियन, 2025 में 116 बिलियन तक), वजह- इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, एपीआईएस और केमिकल्स आयात से।

दूसरा, रूस- 57 बिलियन (2023-24), वजह- मुख्यतः कच्चा तेल आयात से। तीसरा, यूएई- 9.47 बिलियन, तेल और सोना चतुर्थ, स्विट्जरलैंड- वजह- सोना और घड़ियां आयात से। पांचवां, इराक- वजह- कच्चा तेल। छठा- सऊदी अरब- वजह- कच्चा तेल। बताया जाता है कि उपर्युक्त देशों से घाटे के कारण रणनीतिक तैयारियों में कमियां और भीतरघात की सियासत व कूटनीति है। इन देशों से व्यापार घाटा का मतलब है कि भारत में इन देशों से आयात ज्यादा है, जबकि इन देशों को भारत से निर्यात कम होने से है, खासकर ऊर्जा (तेल 80 प्रतिशत आयातित) और मैन्युफैक्चरिंग इनपुट्स क्षेत्र में।जहां चीन के साथ संकीर्ण निर्यात (कच्चा माल), बाजार बाधाएं, और सस्ते आयात की समस्या है। वहीं, रूस/यूएई से तेल आयात में वृद्धि, और निर्यात सम्बन्धी बाधाएं हैं। इस तरह से मुक्त व्यापार समझौते वाले देशों के साथ घाटा 59 प्रतिशत बढ़ा (2025-क्यू1) है। हालिया आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर 2025 में कुल घाटा 25 बिलियन तक पहुंच चुका है। वित्त वर्ष 25 में चीन के साथ यह रिकॉर्ड उच्च स्तर है। जबकि सरकार पीएलआई जैसी आकर्षक योजना से आयात कम करने की कोशिश कर रही है। सवाल है कि मुक्त व्यापार समझौता वाले देश कौन कौन से हैं जिनके साथ भारत का घाटा बढ़ा है, तो जवाब होगा कि भारत के एफटीए) देशों के साथ व्यापार घाटा अप्रैल-जून 2025 (क्यू1 एफबाय26) में 59.2 प्रतिशत बढ़कर 26.6 बिलियन हो गया है। कहने का तात्पर्य यह कि भारत में आयात 10 प्रतिशत बढ़े जबकि निर्यात 9 प्रतिशत गिरे, जो हमारी रणनीतिक आर्थिक चौकसी में कमी को दर्शाता है

नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार, निम्नलिखित देश भारत के विदेश व्यापार घाटे में योगदान दे रहे हैं। इन देश/समूह से कारोबारी घाटे का कारण/ट्रेंड निम्नलिखित हैं- पहला, आसियान समूह के देशों यानी सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड को निर्यात में 16.9 प्रतिशत गिरावट (सिंगापुर -13.3प्रतिशत, मलेशिया -39.7 प्रतिशत) आई। दूसरा, यूएई से आयात बिल बढ़ा, जबकि निर्यात 2.1 प्रतिशत गिरा। तीसरा, दक्षिण कोरिया से आयात बढ़ोतरी हुई। चतुर्थ, जापान से भी आयात बढ़ोतरी देखी गई। पंचम, ऑस्ट्रेलिया को निर्यात में -8.7 प्रति. से -10.9 प्रति. कमी आई। छठा, सऊदी अरब को भी निर्यात -8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। इसका कारण आसियान के साथ पुनर्संमझौता में देरी और आयात में इलेक्ट्रॉनिक्स, तेल की वृद्धि हुई; जबकि निर्यात में कमी आई है। वहीं, एफटीए पुनः समझौता भी लंबित है। शायद इसलिए सरकारी रणनीतियाँ बदली हैं। अब एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (ईपीएम) के तहत 25,060 करोड़ रुपये की योजना 2025-31 तक चल रही, जिसमें ब्याज सब्वेंशन, क्रेडिट गारंटी और ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, फॉरेन ट्रेड पॉलिसी 2023 (बिना समाप्ति तिथि) निर्यात प्रक्रियाओं को सरल बनाती है, स्पर्धा को मजबूत करती है और आरओटीडीईपी जैसे स्कीम्स बहाल किए गए। जबकि चीन से घाटा कम करने हेतु पीएम नरेंद्र मोदी ने द्विपक्षीय बातचीत पर जोर दिया है। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

फतेहपुर सीकरी- भूली-बिसरी राजधानी का वह नायाब नगीना, जो बसते ही उजड़ गया

फतेहपुर सीकरी का निर्माण 1571 से 1585 के बीच किया गया था। यह स्थान पहले सीकरी के नाम से जाना जाता था। अकबर की सभी इमारतों में यह सबसे सुंदर और समृद्ध है। इतनी अलंकृत इमारत कोई नहीं। अबुल फजल ने लिखा है, छैनी-हथौड़े ने वह कमाल कर दिया, जो लकड़ी पर की गई नक्काशी भी नहीं कर सकती थी। ऐसा लगता ही नहीं कि यह सदियों पुरानी भूली-बिसरी दास्तां है। एक ऐसी राजधानी, जो बसने के साथ ही उजड़ गई। फतेहपुर सीकरी पत्थरों पर लिखी एक ऐसी रुबाई है, जिसे सुनने के लिए वक्त चाहिए। थोड़ा ठहरकर हवा में गूंजती सरगोशियों को सुनेंगे, तो कही-अनकही दास्तानें महसूस कर पाएंगे।

(नितिन गौत)

तब आप देख पाएंगे कि पत्थरों पर कितनी नाजुक-सी शायरी लिखी गई है। तो क्या है तुर्की सुल्ताना की दास्तां, जिसे आज भी कोई नहीं जानता? इस वीरान बस्ती की ऐसी कहानी, जो अनकही रह गई। सदियों पहले एक वक्त था, जब अकबर की बनाई राजधानी फतेहपुर सीकरी की इमारतें गुलजार थीं। पहले थोड़ा फतेहपुर सीकरी के बारे में जान लेते हैं। इसका निर्माण 1571 से 1585 के बीच किया गया था। यह स्थान पहले सीकरी के नाम से जाना जाता था, जो सिकरवार राजपूतों से निकला शब्द था। अकबर के दादा बाबर ने यहां एक उद्यान बनाने का निर्देश दिया था। बाद में सूफी संत शेख सलीम चिश्ती के आशीर्वाद से जब शहजादे सलीम, यानी जहांगीर का जन्म 1569 ईस्वी में हुआ, तो अकबर ने यहां पूरा शहर बनवाना तय किया। तब अकबर ने गुजरात में जीत हासिल की थी, तो नई राजधानी को फतेहपुर-सीकरी नाम दिया गया। यहीं तुर्की सुल्ताना का अनोखा महल

भी है, जैसे पत्थर पर लिखी कलात्मक कविता हो। इमारत की दीवारों पर लाल पत्थर पर जंगल के ऐसे दृश्य उकेरे गए हैं, जो कागज पर भी उकेरने असंभव से हैं। इतिहासकारों के अनुसार, तुर्की सुल्ताना कोई एक महिला नहीं थी, बल्कि यह अकबर की दो तुर्क बेगमों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द था, रुकैया सुल्ताना बेगम और सलीमा सुल्ताना बेगम। रुकैया अकबर की पहली पत्नी थीं, जो निःसंतान रहीं, जबकि सलीमा पहले बैरम खान की पत्नी थीं और बाद में उन्होंने अकबर से शादी की। पर दो बेगम एक कमरे के आवास में कैसे रह सकती थीं, इसका जवाब कहीं नहीं मिलता। अकबरकालीन इतिहासकार बदायूंनी ने लिखा है कि इस जगह 1571 में मजहबी चर्चा हुआ करती थी। इसे ही आज हम तुर्की सुल्ताना का महल कहते हैं। इसमें केवल एक कमरा है। इतिहासकार फर्ग्यूसन के अनुसार, अकबर की सभी इमारतों में यह सबसे सुंदर और समृद्ध है। इतनी अलंकृत इमारत कोई नहीं। अकबर के नवरत्नों में शुमार अबुल फजल ने लिखा है, छैनी-हथौड़े ने वह कमाल कर दिया, जो लकड़ी पर की गई नक्काशी भी नहीं कर सकती थी। इतिहासकार पर्सी ब्राउन ने अपनी चर्चित पुस्तक इंडियन आर्किटेक्चर-द इस्लामिक पीरियड में लिखा है, वास्तुकला का नायाब नगीना। देखा जाए, तो इतिहास की धुमावदार गलियों में कई बार सवालों के जवाब सीधे-सीधे नहीं मिलते, तुर्की सुल्ताना भी शायद ऐसा ही सवाल है।

वर्ग पहेली 5997

संकेत: बाएं से दाएं
1. 13 जून 1940 का जलियांवाला बाग हत्याकांड के समय पंजाब के गवर्नर रहे माइकल ओ डायर की हत्या की (5)
5. एक बार सांस लेने का समय, चक्र (2)
7. खिंचकर कड़ा होना, फैलना (3)
8. जब एक-दूसरे के मत परस्पर मिलते हो (4)
9. मंत्री, शतरंज की एक मोहर (3)
10. मान-मर्यादा, प्रतिज्ञा (2)
11. प्रकार, ढंग, उपाय, युक्ति (3)
12. क्रय-विक्रय की सामग्री, भोजन (2)
13. नित्य प्रतिदिन, गुलाब (अंग्रेजी)(2)
14. रस्म, प्रथा, रिवाज (2)
16. क्रोध या आवेश में आने का भाव (3)
18. एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उनकी निधियों के रक्षक कहे गए है (2)
20. पानी, जल, वारि, सलिल (2)
21. आंख के बीच का काला भाग जिसके मध्य प्रकाश की किरणें प्रवेश करती है (3)
23. नक्षत्र, सितारा (2)
24. पार्वती का एक नाम (2)
25. सिर्फ, केवल (2)

ऊपर से नीचे
1. प्राणीशास्त्र के अनुसार तंतु समूह कोशिकाओं का बना अंग (3)
2. गणित में जोड़ का चिन्ह, संपत्ति, रुपैया-पैसा (2)
3. मनाने का काम (4)
4. पुरानी फिल्मों के गीतकार (8)
5. बर्बरतापूर्वक दबाने वाला, अत्याचारी (5)
6. दार्शनिक प्रणाली, राय, सलाह, वोट (2)
10. भारत की पहली सवाक (बोलती)फिल्म (5)
12. शिकस्त, पराजय (2)
15. दिनांक, तारीख (2)
17. किस समय, किस वक्त (2)
19. घायल, हानि पहुंचाया हुआ, जख्मी (2)
22. दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप में स्थित एक देश (2)

वर्ग पहेली 5996 का हल

घा	मी	र	■	गु	ज	रा	त
गु	ल	ब	द	न	■	ति	ल
र	■	ड	■	गु	ला	ब	■
■	रा	■	बे	ना	म	■	■
सा	के	त	■	ना	का	■	मु
म	त	ल	बी	■	फ	की	र
वे	■	घ	न	■	■	क	ली
द	रा	र	■	सा	ग	क	■

मन से हारा व्यक्ति कभी जीत नहीं सकता, इतिहास गवाह है साम्राज्य तलवारों से नहीं, शंकाओं से टूटे हैं

(जूलियस सीजर)

मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चिंता को दृष्टि में बदले और भय को विवेक में। जो दिखाई नहीं देता, उससे डरने के बजाय उसे समझने का प्रयास करे। मनुष्य जब डरना छोड़ देता है, तभी वह स्वतंत्र होता है।

मनुष्य उस बात को लेकर अधिक चिंतित रहता है, जिसे वह देख नहीं सकता, बनिस्बत उसके, जो उसकी आंखों के सामने है। यह चिंता भय से जन्म लेती है और भय गैर-जरूरी कल्पना से। जो दिखाई नहीं देता, वह अनिश्चित होता है और अनिश्चितता मनुष्य की सबसे बड़ी बेचैनी है। जो हमें दिखाई देता है, वह बहुत कम है, लेकिन हमारे दिमाग की कल्पित आशंकाएं असीमित होती हैं। यही कारण है कि मनुष्य वास्तविक संकट से अधिक संभावित संकटों के बोझ तले दब जाता है।

जो सामने है, उससे मनुष्य समझौता कर लेता है। आंखों के सामने खड़ा संकट उसे आकार देता है, सीमा देता है और समाधान की दिशा भी। लेकिन जो दिखाई नहीं देता, उसका कोई रूप नहीं होता। वह केवल मन में फैलता है, विचारों में जड़ें जमाता है और धीरे-धीरे आत्मविश्वास को खोखला करने लगता है।

अदृश्य भय मनुष्य को भीतर से पराजित करता है, उससे पहले कि कोई वास्तविक युद्ध आरंभ हो। इतिहास गवाह है कि साम्राज्य तलवारों से नहीं, शंकाओं से टूटे हैं। सेनाएं शत्रु से नहीं, अपने ही भय से पीछे हटी हैं। जब सेनानायक अपने सैनिकों की आंखों में साहस की जगह आशंका देखता है, तब पराजय निश्चित हो जाती है, क्योंकि युद्ध का पहला मैदान मन होता है, और वहां हारने वाला बाहर कभी जीत नहीं सकता। मनुष्य अक्सर भविष्य से डरता है, जबकि भविष्य अभी आया ही नहीं होता। वह अतीत की स्मृतियों और भविष्य की कल्पनाओं के बीच वर्तमान को खो देता है। जो सामने है, वह उसके हाथ में है, लेकिन जो दूर है, उसी की चिंता उसे निष्क्रिय बना देती है। वह अपने ही भय का बंदी बन जाता है। शक्ति का वास्तविक स्रोत बाहरी परिस्थितियों में नहीं, बल्कि भीतर की स्पष्टता में होता है। जो व्यक्ति अपने मन को स्थिर कर लेता है, उसके लिए अदृश्य भी भयावह नहीं रहता। वह जानता है कि हर अनदेखी वस्तु अनिवार्य रूप से शत्रु नहीं होती। कई बार जो दिखाई नहीं देता, वही अवसर होता है, वही संभावना होती है, वही परिवर्तन का द्वार होता है।

लेकिन दुर्भाग्य यह है कि अधिकांश मनुष्य अवसर और संकट के बीच अंतर नहीं कर पाता। इसलिए वह पहले ही पीछे हट जाता है। डर उसे सावधान नहीं, बल्कि संकुचित बना देता है। और संकुचित दृष्टि से लिया गया निर्णय अक्सर गलत होता है। महानता का अर्थ भय का अभाव नहीं, बल्कि भय के बावजूद आगे बढ़ने का साहस है। जो व्यक्ति केवल दिखाई देने वाली वास्तविकता पर ध्यान केंद्रित करता है, वह अपने कर्म को प्राथमिकता देता है। वह जानता है कि नियंत्रण उसी पर है, जो सामने है। अदृश्य भविष्य को वह अपने वर्तमान के कर्मों से आकार देता है।

इसलिए मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चिंता को दृष्टि में बदले और भय को विवेक में। जो दिखाई नहीं देता, उससे डरने के बजाय उसे समझने का प्रयास करे, क्योंकि जब मनुष्य अपने ही मन की छाया से डरना छोड़ देता है, तभी वह सच में स्वतंत्र होता है।

आज का राशिफल

मेष

आज आपको कार्यक्षेत्र या दफ्तर में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों को पूरा सहयोग प्राप्त होगा। इस दौरान रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। संतान पक्ष से अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। पुत्र अथवा पुत्री के विवाह को लेकर चल रही बातचीत फाइनल हो सकती है।

वृष

आज सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है। ऐसे में आवश्यक सामान की खरीदारी में आपका समय व्यतीत होगा। हालांकि, इस दौरान घर परिवार के वृद्धजनों से बहसबाजी में न उलझें। उनकी राय आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगी।आपकी विश्वसनीयता कार्यक्षेत्र में बढ़ेगी और सहकर्मियों के साथ ही साथ अधिकारीवर्ग से भी आपको सपोर्ट और सहयोग मिलेगा।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे। इन ग्रहों के प्रभाव से आपको मान-सम्मान मिलेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस दौरान व्यापार में भागीदारो का साथ मिलेगा। इससे बिजनेस को बढ़ाने के लिए आप कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क

आज उत्तम सपत्ति को योग बना रहा है। ऐसे में बहुत दिनों से रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। नए संबंध लंबे समय तक बने रहेंगे। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अच्छी सफलता मिलेगी। रात के समय परिवारजनों के साथ मंगल उत्सवों में शामिल हो सकते है।

सिंह

आज अपने करीबी लोगों की भावनाओं की कद्र करें और उनकी बातों पर चलने का प्रयास करें। ऐसा करना आपके लिए लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र में दिन आपके लिए मिलाजुला रहेगा। दुकान या कार्यालय में सबको साथ लेकर चलने का प्रयास करें।

कन्या

आज करीबी मित्रों से बेवजह का विवाद हो सकता है। ऐसे में अपने आस पास खुशनुमा माहौल बनाए रखने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र में अचानक कोई नया बदलाव होने से आपके ऊपर इसका असर पड़ सकता है। हालांकि महिला सहकर्मी और अधिकारी वर्ग के लोग आपका सहयोग करेंगे।

तुला

आज का दिन मेल-मिलाप का रहने वाला है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। दिन में आपको किसी उलटफेर के चलते अचानक धन लाभ हो सकता है। हालांकि, किसी नए कार्य में आगे बढ़ने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छे से विचार-विमर्श कर लें। घर-परिवार से जुड़े किसी पुराने कार्य को संपन्न करने का आज अवसर मिलेगा।

धनु

आज का दिन करियर के लिहाज से दिन मिलाजुला रहने वाला है। पुरानी देनदारियों से आपको छुटकारा मिलता हुआ दिख रहा है। कार्यक्षेत्र में आपकी सराहना होगी और आपके सुझावों को महत्व मिलेगा। घर के लिए कुछ आवश्यक सामान की खरीदारी भी करनी पड़ सकती है। इससे आपकी जेब थोड़ी ढीली हो सकती है।

कुंभ

आज आपको राजनीतिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। ऐसे में आपके लिए सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतिद्वंद्वियों पर आपको जीत मिलेगी और वह आपसे पीछे रह जाएंगे। दिन का मध्य भाग ई आपके लिए शुभ रहने वाला है। इस दौरान शुभ व्यय से आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

वृश्चिक

आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस में सफलता मिलेगी। व्यापार को आगे बढ़ाने के सिलसिले में किसी की सलाह आपके काम आएगी। दिन का दूसरा भाग किसी महिला मित्रों के साथ व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र और पारिवारिक कार्यों को आप सफलतापूर्वक निभा पाएंगे।

मकर

आज दूर की यात्रा पर अचानक जाना पड़ सकता है। परिवार में कोई मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। बहन-भाई के विवाह समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। किसी पुराने मित्र या रिश्तेदार से अचानक मुलाकात हो सकती है। एक बात ध्यान रखें कि अगर कोई आपसे उधार मांगे तो बिल्कुल भी न दें।

मीन

आज पिछले कई दिनों से मिथुन राशि का होकर चतुर्थ भाव में चल रहे है। इस दौरान चन्द्रमा के अष्टम में होने से आपको उत्तम संपत्ति प्राप्त होगी। खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा वापस मिलने की प्रबल संभावना है। अपनी बुद्धि के बल पर आप किसी कठिन समस्या का समाधान भी निकाल पाएंगे।

बैंक एग्जाम में इंग्लिश की तैयारी के टिप्स

बैंकिंग या अन्य सरकारी जॉब पाने के इच्छुक युवाओं को रिटन टेस्ट व इंटरव्यू के दौर से गुजरना ही होता है। ऐसी परीक्षाएं मुख्य रूप से ऑब्जेक्टिव टाइप होती हैं और उनमें 4 से 5 पेपर होते हैं। इनमें इंग्लिश लैंग्वेज पेपर भी होता है, जिसमें आप सही तरह से तैयारी करके काफी अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

इंग्लिश के पेपर में इंग्लिश कॉम्प्रिहेंशन, ग्रामेटिकल स्किल्स तथा वोकैब्युलरी स्किल्स को परखने के लिए प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रश्न इस तरह सेट किए जाते हैं कि आपके अंगरेजी ज्ञान को अच्छी तरह जांचा जा सके। आम तौर पर यह पेपर 40 अंक का होता है और इसमें वोकैब्युलरी सेक्शन प्रमुख होता है। इसी से सबसे ज्यादा प्रश्न पूछे जाते हैं। उम्मीदवार की वोकैब्युलरी स्किल्स को जांचने के लिए एंटॉनिम्स, सिनॉनिम्स, कॉमन एरर्स, मिसस्पेल्ट वर्ड्स एंड फेजेस से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। इन्हें हल करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार को भाषा की अच्छी समझ हो। एक नजर डालते हैं वोकैब्युलरी सेक्शन में अच्छा स्कोर करने के लिए जरूरी बातों पर।

पढ़ने की आदत

अपनी वोकैब्युलरी सुधारने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि लगातार इंग्लिश पढ़ते रहें। चाहे अखबार हों या मैग्जीन, ब्लॉग हों या वेबसाइट या फिर किताबें... आपको चाहिए कि आप जहां, जो मिले, उसे पढ़ डालें। जो भी पढ़ें, उसमें नए शब्दों और वाक्यों में उनके प्रयोग पर गौर करें।

नए शब्द सीखें

जब भी, जो भी नया शब्द दिखे, उसका अर्थ डिक्शनरी में देखें। इससे आपकी वोकैब्युलरी सुधरेगी और आपका शब्द भंडार समृद्ध होगा।

लिखते रहें

पढ़ने के साथ ही लिखने की आदत भी डालें। लिखने का अभ्यास भाषा पर आपकी पकड़ को मजबूत करेगा। इससे, जब आप कंपोजिशन लिखेंगे, तो नए शब्दों का प्रयोग करना आपके लिए आसान हो जाएगा। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

किताबें, मैग्जीन आदि पढ़ना अच्छी बात है लेकिन इसके साथ ही आपको इंग्लिश फिल्में, टीवी सीरियल व नाटक भी देखने चाहिए और इंग्लिश गाने भी सुनने चाहिए। कुल मिलाकर, भाषा को जिस भी रूप में ग्रहण कर सकते हैं, करें। इससे आप और वृहद स्तर पर भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

प्रैक्टिस करें

अनेक कॉम्पिटिशन गाइड बुक्स में इंग्लिश लैंग्वेज के मॉक टेस्ट पेपर तथा सैंपल क्वेश्चन पेपर उपलब्ध होते हैं। इन्हें हल करते रहने से भी आपको काफी मदद मिलेगी। आपको परीक्षा के वोकैब्युलरी सेक्शन के बारे में भी अंदाजा हो जाएगा और नए शब्द व वाक्य भी सीखने को मिलेंगे।

ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन

अगर आप देश-दुनिया की सैर करने के शौकीन हैं और किसी करियर के तलाश में हैं, तो आप ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री में भी बेस्ट करियर ऑप्शन को चुन सकते हैं।

अक्सर हम पढ़ाई या अपने करियर में ऐसी स्थिति पर आकर खड़े हो जाते हैं जब कुछ समझ नहीं आता है। किस दिशा में करियर बनाया जाए, इस बात को लेकर कुछ लोग काफी कंफ्यूज रहते हैं। सब लोग अलग-अलग राय दे रहे होते हैं। ऐसे में, समझ नहीं आता कि क्या करना कितना सही होगा। जबकि, आज का समय सिर्फ कोर्स या डिग्री तक ही सीमित नहीं है। अगर, आपके अंदर कोई स्किल है, तो आप उसमें भी अपना करियर देख सकती हैं। पर, आज हम बात कर रहे हैं ट्रैवलिंग में करियर बनाने की। यदि आप घूमने-फिरने की शौकीन हैं और अक्सर सैर-सपाटे पर निकलते रहते हैं, तो आप इस क्षेत्र में भी अपना करियर देख सकती हैं। चलिए आज हम आपको ट्रैवल से जुड़े कुछ करियर की ऑप्शन के बारे में बताते हैं।

टूर गाइड में बनाएं करियर

अगर आपको जगह-जगह पर घूमने और उसके बारे में जानने में दिलचस्पी है, तो आप टूर गाइड में अपना करियर बना सकती हैं। इसके लिए आपको नई जगहों की जानकारी होने के साथ ही कहानी कहने का हुनर भी आना चाहिए। दरअसल, टूर गाइड का काम पर्यटकों को विभिन्न पर्यटन स्थलों की जानकारी देना और उससे जुड़े इतिहास के बारे में बताना होता है। ऐसे में, आपको इन स्थलों के इतिहास की जानकारी होने के साथ उसे बताने का तरीका भी आना चाहिए, ताकि लोगों को आपकी बताई गई बातें आसानी से समझ आए।

ट्रैवल एजेंट की नौकरी भी कर सकते हैं आप

ट्रैवल एंड टूरिज्म के क्षेत्र में ट्रैवल एजेंट की नौकरी को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस नौकरी के लिए आपके अंदर मैनेजमेंट और बजट स्किल का होना जरूरी है। ट्रैवल एजेंट का काम लोगों के लिए बढ़िया ट्रिप खोजना और उसके लिए टूर या ट्रैवल पैकेज तैयार करना होता है। इसमें रिसॉर्ट्स की बुकिंग से लेकर खाने-पीने और घूमने तक पूरा वैकेशन पैकेज तैयार किया जाता है।

ट्रैवल फोटोग्राफी है बेस्ट ऑप्शन

अगर आप ट्रैवल की शौकीन हैं, तो आप ट्रैवल फोटोग्राफर भी बन सकते हैं। इसके साथ ही आप अपना पर्सनल पेज बना सकते हैं, जिसमें कुछ क्रिएटिव फोटोग्राफ क्लिक करके अपलोड कर सकते हैं। आप एक फ्रीलांस ट्रैवल फोटोग्राफर के रूप में काम कर सकते हैं। अपने काम को अलग-अलग ब्रैंड और कंपनियों को बेच सकते हैं। इसके अलावा, आप किसी ट्रैवल कंपनी या प्रकाशन के लिए भी काम कर सकते हैं।

चुनौती भरा कॅरियर मेडिकल लैब टेक्निशियन

लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में क्लिनिक्ल प्रयोगशाला एक महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। छोटी से छोटी बीमारी के लिए डॉक्टर मरीजों का विभिन्न तरह की जांच कराते हैं, ताकि असली मर्ज और उसकी स्थिति का पता चल सके। ऐसे में सही इलाज और दवा के लिए क्लिनिकल प्रयोगशाला की भूमिका अहम हो जाती है। ऐसी प्रयोशालाओं पर काम करने के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की जरूरत होती है। इन प्रशिक्षित तकनीशियनों को चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल लेबोरेट्री टेकनोलॉजिस्ट (एमएलटी) कहा जाता है। एमएलटी की पढ़ाई में बायो केमेस्ट्री, माइक्रोबायलॉजी और ब्लड बैंकिंग शामिल हैं। एमएलटी शरीर में खून, खून के प्रकार, सेल और अन्य की अवस्थाओं का विश्लेषण करता है।

नेचर ऑफ वर्क

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डाक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं। उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इनके जिम्मे होता है। लेबोरेट्री में नमूनों की जांच और विश्लेषण में काम आने वाला घोल भी लैब टेक्नीशियन ही बनाते हैं। इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते। नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलॉजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है। जांच के दौरान एमएलटी कुछ सैंपलों को आगे की जांच या फिर जरूरत के अनुसार उन्हें सुरक्षित भी रख लेता है। एमएलटी का काम बहुत ही जिम्मेदारी और चुनौती भरा होता है। इसमें धैर्य और निपुणता की बड़ी आवश्यकता होती है। जमा किए गए डाटा की सुरक्षा और गोपनीयता की भी जिम्मेदारी उसकी होती है।

कोर्स के दौरान क्या पढ़ें

डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह के मुताबिक मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री एवं मास्टर्स के दौरान बेसिक फिजियोलॉजी, बेसिक बायोकेमिस्ट्री एंड ब्लड बैंकिंग, एनाटोमी एंड फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, पैथोलॉजी, एनवारमेंट एंड बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी एंव अस्पताल प्रषिक्षण की पढ़ाई जाती है।

कोर्स एवं योग्यता

सर्टिफिकेट इन मेडिकल लैब टेक्नालॉजी (सीएमएलटी) यह छह महीने का कोर्स है जिसके लिए योग्यता है 10वीं पास। वहीं डिप्लोमा इन मेडिकल लैब टेक्निोलॉजी के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इस कोर्स की अवधि है एक साल। 12वीं में प्रमुख विशय के रूप में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी (पीसीबी) तथा फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स (पीसीएम) के साथ पास होना अनिवार्य है। बीएससी इन एमएलटी के लिए 12वीं विज्ञान विशयों के साथ तो उतीर्ण होना जरूरी है ही साथ ही इस कोर्स की अवधि है तीन वर्श। एमएससी इन मेडिकल लेबोरेटी टेक्नोलॉजिस्ट (एमएलटी) प्रोग्राम में प्रवेश करने के लिए अभ्यर्थी के पास पहले हाई स्कूल डिप्लोसमा होना चाहिए। इसके बाद दो साल का एसोसिएट प्रोग्राम करना होता है। यह प्रोग्राम कम्युनिटी कॉलेज, टेक्निक्ल स्कूल, वोकेशनल स्कूल या विश्वविद्यालय द्वारा कराया जाता है।

कहां कहां है अवसर

मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों को काम में निपुणता और जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण की जरूरत पड़ती है। छात्र इस तरह क प्रशिक्षण लेबोरेट्री कार्यों के दौरान ही साथ ही साथ प्राप्त कर सकते हैं। अधिकतर प्रांतों में मेडिकल लेबोरेट्री तकनीशियनों के लिए कोई प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं होती लेकिन कुछ राज्यों में इन तकनीशियनों के पास काम करने के लिए प्रमाण पत्र होना जरूरी है। प्रमाण पत्र वाले तकनीशियनों के लिए इस क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं होती हैं। आप किसी भी मेडिकल लेबोरेट्री, हॉस्पिटल, पैथोलॉजिस्ट के साथ काम कर सकते हैं। ब्लड बैंक में इनकी खासी डिमांड रहती है। आप बतौर रिसर्चर व कंसल्टेंट के अलावा खुद का क्लिनिक खोल सकते हैं ऐसा कहना है डीपीएमआई की प्रिंसिपल अरूणा सिंह का।

आमदनी

सामान्य तौर पर एक एमएलटी का वेतन दस हजार से शुरू होता है जबकि पैथोलॉजिस्ट को तीस हजार से चालीस हजार तक सैलरी मिल जाती है। साथ ही योग्यता और तजुर्बे के आधार पर उनके वेतन में इजाफ। होता चला जाता है। देष के साथ साथ विदेषों में भी इनकी खासी डिमांड है।

प्रमुख संस्थान

- डेल्ही पारामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (डीपीएमआई), नई दिल्ली
- षिवालिक इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल टेक्नोलॉजी, चंडीगढ़
- पारा मेडिकल कॉलेज, दुर्गापुर, पष्चिम बंगाल
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल साइंसेज, लखनऊ
- डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

पहली जॉब ज्वॉइन करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

यह सच है कि पहली जॉब अपने साथ एक उमंग लेकर आता है। लेकिन इस उमंग और उत्साह के बीच आपको अपनी समझदारी को नहीं खोना चाहिए। चूंकि आप अभी-अभी अपने प्रोफेशनल जीवन की शुरूआत कर रहे हैं, इसलिए आपको कई बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। याद रखें कि एक अच्छी जॉब मिलना जितना मुश्किल है, उससे भी कठिन है उसमें बने रहना और समय के साथ ग्रोथ करना। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स बता रहे हैं, जो पहली जॉब में आपको ग्रोथ करने में मदद करेंगे-

जॉब आपके अनुकूल है या नहीं

कुछ लोगों के मन में अपनी प्रोफेशनल लाइफ को शुरू करने को लेकर इतना उत्साह होता है कि वह अन्य कुछ भी सोचना नहीं चाहते। जबकि आपको यह गलती नहीं करनी चाहिए। जब आप अपनी जॉब ज्वॉइन कर रहे हैं तो यह अवश्य देखें कि ऑफिस आपके घर से कितना दूर है। क्या आप हर दिन सुविधापूर्वक ऑफिस जा सकते हैं। इसके अलावा, आपके काम की टाइमिंग क्या है। हर छोटे-बड़े पहलू पर ध्यान देकर ही जॉब ज्वॉइन करें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो कुछ ही दिनों में आपको तनाव होने लगेगा।

सीखते रहने पर दें जोर

कुछ लोग जॉब शुरू करते हैं तो उनके कोई खास टास्क दिया जाता है और वह केवल उसे ही करते चले जाते हैं। लेकिन आपको यह ध्यान देना चाहिए कि यह आपकी पहली जॉब है और इसलिए ऐसा बहुत कुछ है, जिसे अभी सीखा जाना बाकी है। इसलिए, जब आप अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रख दें, तब भी अपने सीखने के प्रोसेस को स्टॉप ना करें। ऑफिस के अलावा इंटरनेट, किताबों व शॉर्ट टर्म कोर्सेस के जरिए ऐसी चीजें सीखने की कोशिश करें, जो आपको एक अच्छी ग्रोथ दे सकें।

ऑफिस वियर का ध्यान रखना

जो लोग अपनी फर्स्ट जॉब में होते हैं, वह अक्सर प्रोफेशनल लाइफ को लेकर बेहद सजग नहीं होते। खासतौर से, जिन ऑफिस में ड्रेस कोड नहीं होता है, वहां पर अक्सर न्यूकमर्स कुछ भी पहन लेते हैं। जबकि आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। ध्यान दें कि इससे आपकी प्रोफेशनल इमेज डैमेज होती है। भले ही यह आपकी पहली जॉब है, लेकिन फिर भी आपको अपने आउटफिट से लेकर बातचीत करने के अंदाज यहां तक कि बॉडी लैंग्वेज आदि हर चीज का ख्याल रखना चाहिए। यह सभी चीजें आपके करियर को बहुत अधिक इफेक्ट करती हैं।

कंपनी पॉलिसी को करें चेक

अगर नई जॉब ज्वॉइन करते समय आप कोई कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि आप सभी नियमों व कंपनी पॉलिसी को अवश्य पढ़ें। अक्सर पहली जॉब में लोग इसे पढ़ना जरूरी नहीं समझते। लेकिन वास्तव में यह बेहद अहम् है। कभी-कभी कंपनी के ऐसे कुछ नियम होते हैं, जो बाद में आपके लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं। इसके अलावा, आपको कंपनी की सोशल मीडिया पॉलिसी भी अवश्य चेक करनी चाहिए। दरअसल, इन दिनों कई कंपनियां काम के घंटों में कर्मचारियों को सोशल मीडिया साइट्स चलाने की अनुमति नहीं देती हैं। ऐसे में अगर आप उस समय सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करते हैं तो यह आपके काम व जॉब के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है।

सिंगरौली के ज्वलंत मुद्दों पर सांसद को सौंपा ज्ञापन

सिंगरौली। जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग जिला सिंगरौली के संगठन मंत्री अधिवक्ता उसैद हसन सिद्दीकी एवं जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव मो. शाहिद खान रिंकू संयुक्त रूप से सांसद को सिंगरौली के ज्वलंत मुद्दों पर ज्ञापन सौंपा कर मांग किया। बैढ़न जिला सिंगरौली काफी व्यस्ततम शहर है, जिससे बाजार में काफी बड़े-बड़े वाहनों का आवागमन होता है, जिससे यातायात प्रभावित होता है और शहर में भीड़-भाड़ होने के कारण आये दिनों दुर्घटनायें होती रहती हैं, जिससे

बाईपास रोड अतिशीघ्र निर्माण किया जाए। साथ ही एनटीपीसी विन्ध्यनगर के द्वारा ग्राम-बलियरी में ऐश डाईक डेम का निर्माण किया गया है, किन्तु डेम से लगे अगल-बगल के क्षेत्र में पेड़ पौधे वृक्षारोपण न होने के कारण राखड़ एवं राखड़ का दूषित पानी डेम से लीकेज होने पर लोगों के घरों में एवं खेतों में प्रवेश कर जाता है, यहां तक की पास के रिहन्द जलाशय में प्रवेश कर जाता है और वहीं रिहन्द जलाशय का पानी नगर पालिक निगम द्वारा पूरे बैढ़न शहर में सप्लाई किया जाता है, जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारियां होने की संभावना बना रहता है, जिससे ऐस डाइक डेम की अगल-बगल में वृक्षारोपण हो एवं डेम का दूषित पानी लीकेज न हो सुरक्षा व्यवस्था की मांग की। एनटीपीसी के ऐश डाईक डेम से बड़े-बड़े वाहन तंग एवं सकरी गली से निकलते हैं। जिससे किसानों के मवेशियों के साथ दुर्घटना होने के कारण काल के गाल में समा जाते हैं एवं आम जन मानस के साथ दुर्घटना होने की सम्भावना बनी रहती है, जिसकी सुरक्षा के लिए राखड़ का परिवहन करने के लिए अलग से रोड का निर्माण कराया जाने की मांग की है। अधिवक्ता संघ बैढ़न के द्वारा सिविल जिला न्यायालय सिंगरौली मुख्यालय बैढ़न का निर्माणाधीन भवन को पूर्ण कराए जाने के लिए बजट दिलाए जाने बाबत सांसद को दिया गया ज्ञापन पत्र।

विंध्याचल ने नवजीवन विहार में सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल ने अपने सीएसआर के अंतर्गत नवजीवन विहार, सेक्टर-2 में नव-निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण कर समावेशी सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ किया। इस सामुदायिक भवन का लोकार्पण सीधी सिंगरौली के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। इस अवसर पर सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा वार्ड पार्षद श्यामला वर्मा की उपस्थिति रही।

महुआ गांव में घर में लगी आग, गृहस्थी जलकर खाक, भैंस झुलसी

सिंगरौली। जिले के सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत महुआ गांव में आज दिन शनिवार की शाम एक घर में अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे में रमाशंकर शुक्ला का पूरा घरेलू सामान जलकर राख हो गया, जबकि घर में बंधी एक भैंस गंभीर रूप से झुलस गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है, हालांकि शॉर्ट-सर्किट की आशंका जताई जा रही है। बताया गया कि घटना के समय रमाशंकर शुक्ला और उनके परिवार के सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे। सभी अपने-अपने काम

से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान पड़ोसियों ने घर से धुआं और आग की लपटें उठती देख शोर मचाया और तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। ग्रामीणों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर सहित अन्य आवश्यक सामग्री पूरी तरह जल चुकी थी।

आग की चपेट में आने से एक भैंस भी झुलस गई, जिसे उपचार के लिए पशु चिकित्सक के पास ले जाया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। इस घटना से गांव में चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है और प्रशासन से तत्काल राहत सहायता प्रदान करने की मांग की है।

सीवरेज पाइपलाइन के लिए खोदी गई नई सड़क, वार्ड 42 में लोगों की बढ़ी चिंता

लाखों की लागत से बनी पीसीसी-डामर सड़क फिर टूटी

सिंगरौली । नगर पालिका निगम सिंगरौली के वार्ड क्रमांक 42 में कॉन्वेंट स्कूल तिराहा से लेकर देवरा गनियारी तिराहा तक सीवरेज पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस कार्य के लिए हाल ही में बनी पीसीसी एवं डामर सड़क को जगह-जगह से खोद दिया गया है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी और चिंता बढ़ गई है। यह सड़क लाखों रुपये की लागत से बनाई गई थी और क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिल रही थी, लेकिन अब पाइपलाइन बिछाने के चलते सड़क क्षतिग्रस्त हो रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इससे पहले भी अमृत जल

योजना और गैस पाइपलाइन के नाम पर कई सड़कों को खोदा गया था, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद सड़क को पहले जैसी स्थिति में बहाल नहीं किया गया। नतीजतन उन क्षेत्रों की सड़कें आज भी उबड़-खाबड़ और बदहाल हैं। बारिश के समय कीचड़ और गड्ढों के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। क्षेत्रवासियों ने आशंका जताई है कि वार्ड 42 की इस सड़क का भी वही हाल हो सकता है। लोगों का कहना है कि ठेकेदार द्वारा कार्य तो किया जाता है, लेकिन गुणवत्ता और सड़क की पुनर्स्थापना पर ध्यान नहीं दिया जाता। इससे सरकार और नगर निगम द्वारा खर्च किए गए लाखों रुपये पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इस संबंध में नगर निगम परिषद की बैठकों में भी कई बार यह मुद्दा उठाया जा चुका है, लेकिन अब तक ठेकेदारों पर कोई ठोस कार्रवाई या दबाव नहीं बनाया जा सका है। नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि पाइपलाइन कार्य पूरा होने के बाद सड़क को पहले जैसी मजबूत और समतल स्थिति में बनाया जाए, ताकि भविष्य में लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

दो दिवसीय विशेष हिंदी कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा आज दिन शनिवार से एक दो दिवसीय विशेष हिंदी कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला में एनटीपीसी सिंगरौली के बड़ी संख्या में कर्मचारी उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं। कार्यशाला का विषय संविधान एवं राजभाषा नीति के आलोक में हिंदी का कार्यान्वयन रहा, जिस पर सुप्रसिद्ध राजभाषा विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, अपर निजी सचिव, भारत के राष्ट्रपति एवं पूर्व महाप्रबंधक राजभाषा, एनटीपीसी लिमिटेड ने विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएच किशोर कुमार महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में रश्मि रंजन मोहंती, महाप्रबंधक की उपस्थिति रही।

मेरा सेक्टर, सबसे बेहतर कार्यक्रम की शुरुआत, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की पहल

स्वास्थ्य और महिला बाल विकास विभाग के समन्वय से मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर रहेगा विशेष फोकस

सिंगरौली । आकांक्षी जिला सिंगरौली में स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा मेरा सेक्टर, सबसे बेहतर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम कसर सामुदायिक भवन में आयोजित किया गया, जिसमें सेक्टर गोरवी एवं सेक्टर दुधमनिया के स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य सेक्टर स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पराज सिंह ठाकुर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुधांशु मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी जितेन्द्र गुप्ता, सीबीएमओ डॉ. एचएस बैस, सीडीपीओ सत्येंद्र सोंधिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेसी यशवाल सहित स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा ब्लॉक स्तर के बीपीएम, बीसीएम, डीईआईएम, डीसीएम, डीसी वाधवानी एआई-आयुष्मान भारत से जुड़े अधिकारी, पर्यवेक्षक, एएनएम, सीएचओ, एमपीडब्ल्यू एवं आशा पर्यवेक्षक भी शामिल हुए।

बैठक के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच एवं सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने, बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण कराने तथा संबंधित ऑनलाइन पोर्टलों पर समयबद्ध और पूर्ण रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सेक्टर स्तर पर पाई गई कमियों को दूर करने के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। इस पहल से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होने और आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद जताई गई।

स्वा सहायता समूह की महिलाओ एवं लघु सीमांत किसानो को जोड़कर बड़े प्रोजेक्ट करें तैयार : गौरव

कलेक्टर पहुंचे किसान के बीच, किया व्यावसायिक खेती एवं मसरूम उत्पादन के लिए प्रेरित

सिंगरौली । जिले में व्यावसायिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर गौरव बैनल के द्वारा किसानो के बीच पहुंचकर उन्हे व्यावसायिक खेती एवं मसरूम उत्पदन करने के लिए प्रेरित किया गया। कलेक्टर ने कचनी पहुंचकर मसरूम का उत्पादन कर रहे किसान पुष्पेन्द्र कुशवाहा के द्वारा उत्पादित मसरूम का अवलोकन किया। पुष्पेन्द्र कुशवाहा ने कलेक्टर को बताया कि मैने अपने स्वंय के प्रयास एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में बटन मसरूम, ओएस्टर मसरूम जैसे मसरूमो का उत्पादन कर बाजार में बेच रहा हूँ, मुझे अच्छा मुनाफा हो रहा है। मैंने मसरूम उत्पादन प्रक्रिया के संबंध में इंदौर से प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है और मैं इस व्यावसाय को बड़े स्तर पर आगे बढ़ाना चाहता हूँ। पुष्पेन्द्र ने कलेक्टर को मसरूम उत्पादन यूनिट का अवलोकन कराया।

कलेक्टर ने मसरूम उत्पादन प्रक्रिया का अवलोकन करने के पश्चात किसान की प्रसंशा करते हुये कहा कि मसरूम उत्पादन के संबंध में स्वा सहायता समूह की महिलाओ को संगठित कर बड़ा प्रोजेक्ट तैयार कर प्रस्तुत करें। जिला प्रशासन के द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन जैसी शासकीय हितग्राही मूलक योजनाओ या सीएसआर मद के माध्यम से पूरा सहयोग किया जायेगा तथा मसरूम विक्रय के लिए मार्केट उपलब्ध कराने में भी सहायता की जायेंगी। कलेक्टर द्वारा किसान को मसरूम आधारित प्रोडक्ट जैसे मसरूम पाउडर आदि के उत्पादन के लिए भी प्रेरित किया गया। तत्पश्चात कलेक्टर ने ग्राम पंचायत करौटी स्थित ग्राम ओरगाई में आशीष एवं परमानंद द्वारा की जा रही सब्जियो की खेती का अवलोकन किया। किसानो द्वारा बताया गया कि हमारे द्वारा टमाटर, मटर, लौकी, कद्दू, मिर्ची की खेती की जाती है। हमे उद्यानिकी विभाग के माध्यम से एमआईडीएच एवं प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना अंतर्गत ड्रीप ईरिगेशन के माध्यम से सब्जियो का उत्पादन करने के लिए बढ़ावा मिला है। बड़े रकवे में किए जा रहे सब्जी उत्पादन को देखकर कलेक्टर के द्वारा प्रशन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि आप सभी कृषि क्षेत्र में बहुत मेहनत कर रहे हैं। इसी तरह छोटे किसानो एवं स्वा सहायता समूह की महिलाओ को संगठित कर एक बड़ा प्रोजेक्टर तैयार करें। जिला प्रशासन द्वारा अपका पूरा सहयोग किया जायेगा। साथ ही कलेक्टर ने किसानों से उन्हे होने वाली कठिनाई के संबंध में जानकारी ली और किसानो को फलदार पौधो जैसे आम, अमरूद सहित अन्य फलो एवं फूलो की खेती करने के लिए भी प्रेरित किया। भ्रमण के दौरान उप संचालक उद्यानिकी एचएल निमोरिया, ग्रामीण विकास विस्तार अधिकारी शैलेन्द्र विश्वकर्मा, शिवजी बर्मा मौजूद रहे।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 7 फरवरी से

सिंगरौली । रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए किसानों के पंजीयन किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। गेहूं उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन आज 7 फरवरी से 7 मार्च तक किया जाएगा। पंजीयन जिले में जिला उपार्जन समिति द्वारा निर्धारित पंजीयन केन्द्रों के माध्यम से समस्त कार्य दिवसों में किया जाएगा। किसान स्वयं के मोबाइल से एमपी किसान एप के माध्यम से निःशुल्क पंजीयन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अधिकृत एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र एवं निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर शासन द्वारा निर्धारित शुल्क राशि 50 रुपये का भुगतान कर पंजीयन कराया जा सकता है। वन पट्टाधारी किसानों का पंजीयन केवल उन्हीं प्रकरणों में मान्य होगा, जिनमें वन पट्टा सिकमी/बटाई अनुबंध 2 फरवरी के पूर्व का हो। ऐसे किसानों का पंजीयन संबंधित समितियों के अंतर्गत स्थित पंजीयन केन्द्रों पर ही किया जाएगा।

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप है केंद्रीय बजट : राजेश

प्रेसवार्ता में बोले सांसद, युवा, महिला, स्वास्थ्य, शिक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष फोकस

सिंगरौली

सीधी-सिंगरौली संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने आज दिन शनिवार को केंद्रीय बजट 2026 को लेकर प्रेसवार्ता आयोजित कर पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह बजट भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह बजट युवा, बेरोजगार, उद्यमी और महिलाओं के सशक्तिकरण को समर्पित है।

सांसद ने कहा कि बजट में महिलाओं को स्टार्टअप से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए भी पर्याप्त प्रावधान किए गए हैं। कैंसर की 17 प्रकार की दवाओं को टैक्स फ्री किया गया है, जिससे आमजन को बड़ी राहत मिलेगी। आयुष केंद्रों के विस्तार के लिए भी पर्याप्त बजट आवंटित किया गया है।

उन्होंने बताया कि स्टील इंडिया, डिजिटल इंडिया और एआई-रोबोटिक्स जैसी योजनाओं के माध्यम से युवाओं को भविष्य के लिए तैयार किया जाएगा तथा उन्हें ज्ञान आधारित आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। विद्यालयों और महाविद्यालयों के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। पर्यटन क्षेत्र में गाइडों को प्रशिक्षण देने की योजना भी शामिल की गई है। सांसद ने कहा कि भारत विस्तार ऐप विकसित किया गया है, जिससे नागरिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध होगी। डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देने, रक्षा क्षेत्र को सशक्त करने और मेडिकल टूरिज्म को प्रोत्साहित करने का भी प्रावधान किया गया है। खेलकूद, रेलवे और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए पर्याप्त बजट रखा गया है। प्रेसवार्ता के दौरान सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह, देवसर विधायक राजेंद्र मेश्राम, सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह, भाजपा जिला अध्यक्ष सुंदरलाल शाह, ननि अध्यक्ष देवेश पांडेय एवं जिला उपाध्यक्ष पूनम गुप्ता मौजूद रहे। सभी ने बजट को जनकल्याणकारी और विकासोन्मुखी बताया।

देवसर-जोगिनी पुल से 20 फीट नीचे गिरी बाइक, हेलमेट से बची राइडर की जान

सिंगरौली । देवसर थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 39 पर आज दिन शनिवार की दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। देवसर-जोगिनी पुल से एक बाइक अनियंत्रित होकर करीब 20 फीट नीचे गिर गई। हादसे में बाइक सवार संदीप सेन गंभीर रूप से घायल हो सकते थे, लेकिन हेलमेट पहनने के कारण उनकी जान बच गई। उन्हें केवल हल्की खरोंचें आई हैं।

पीड़ित संदीप सेन ने बताया कि वे अपने घर में आयोजित शादी समारोह के लिए लोगों को निमंत्रण देने देवसर जा रहे थे। जोगिनी पुल के पास सड़क पर बने गहरे गड्ढे में बाइक का पहिया फिसल गया, जिससे संतुलन बिगड़ गया और

बाइक सीधे पुल से नीचे जा गिरी। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर उन्हें बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार कराया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सीधी-सिंगरौली को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-39 पिछले 14 वर्षों से निर्माणाधीन है, लेकिन अब तक सड़क पूरी तरह तैयार नहीं हो सकी है। जगह-जगह गड्ढे, अधूरे पुल, अस्थायी डायवर्जन और चेतावनी संकेतों की कमी के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद निर्माण कार्य की गति बेहद धीमी बनी हुई है। इस घटना ने एक बार फिर प्रशासन और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सड़क की मरम्मत और सुरक्षा उपायों पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में और भी गंभीर हादसे हो सकते हैं। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि एनएच 39 के अधूरे कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाए और दुर्घटना संभावित स्थलों पर तत्काल सुधार किया जाए।

मेले में ब्रेकडांस झूला संचालक से मारपीट

सिंगरौली। सब्जी मंडी क्षेत्र में आयोजित मेले के दौरान ब्रेकडांस झूला संचालक के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी रंजन कुमार शाह पिता हातिम शाह उम्र 27 वर्ष, निवासी ग्राम कोम्हैला, जिला छपरा ने थाने में मौखिक रिपोर्ट लेख कराई है। फरियादी के अनुसार 1 जनवरी की शाम 3:30 बजे आरोपी प्रवेश चतुर्वेदी एवं वासु चतुर्वेदी उसके झूले पर आए और झूला झूलने की बात कही। जब फरियादी ने नियमानुसार पैसे देने को कहा तो दोनों आरोपियों ने पैसे देने से मना कर दिया और गाली-गलौज शुरू कर दी।

अवैध रेत परिवहन रोकने पर वन सुरक्षा समिति सदस्य से मारपीट, ट्रैक्टर लेकर भागे आरोपी

सोनालिका ट्रैक्टर से रेत लोड कर ले जा रहे थे, शिकायतकर्ता ने कार्रवाई की मांग की

सिंगरौली । वन परिक्षेत्र माड़ा अंतर्गत ग्राम सरईडांड में अवैध रेत परिवहन का मामला सामने आया है। वन विभाग की सहायता सुरक्षा समिति के सदस्य धनपाल सिंह ने थाना प्रभारी माड़ा को लिखित आवेदन देकर बताया कि 6 फरवरी को सुबह लगभग 8 बजे वह अपने क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि ग्राम सरईडांड की दिशा से एक सोनालिका कंपनी का नीला ट्रैक्टर ट्रॉली में रेत लोड कर तेज गति से निकल रहा था।

शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने ट्रैक्टर चालक को रोककर रेत परिवहन के संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया। इस पर ट्रैक्टर चालक और उसके साथ मौजूद कुछ अन्य लोग आक्रोशित हो गए। आरोप है कि सभी लोग ट्रैक्टर से उतरकर शिकायतकर्ता के साथ अभद्र व्यवहार करने लगे और मारपीट करते हुए गाली-गलौज की। इतना ही नहीं, उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी। धनपाल सिंह ने बताया कि जब उन्होंने घटना का वीडियो अपने मोबाइल से बनाना शुरू किया, तो आरोपियों ने मोबाइल छीनने का प्रयास किया। स्थिति बिगड़ती देख आरोपी ट्रैक्टर ट्रॉली सहित मौके से भाग निकले। शिकायतकर्ता ने घटना की सूचना तत्काल अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी और थाना माड़ा में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन में पुलिस से आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में लगातार अवैध रेत परिवहन हो रहा है, जिससे शासन को राजस्व की हानि हो रही है। इस घटना से वन सुरक्षा समिति के सदस्यों में भी भय का माहौल है। पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की।

नशा मुक्ति अभियान समाधान बैठक कार्यक्रम रजमिलान में आयोजित

सिंगरौली। संस्था प्रमुख रजनीश धर द्विवेदी ने बताया कि म.प्र. जन अभियान परिषद के निर्देशन एवं जिला समन्वयक के मार्गदर्शन में विकासखण्ड बैढ़न अंतर्गत नवांकुर संस्था हेल्प फाउंडेशन द्वारा ग्राम पंचायत रजमिलान में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्रामीणों को नशामुक्ति विषय पर चर्चा कर नशे से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में बताया गया तथा उन्हें जागरूक किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था के कार्यक्रम समन्वय सिया वैश्य ने वरिष्ठ जनो और स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए कहा कि नशा नाश की जड़ है। नशे की लत से युवा पीढ़ी का भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

अमित जानी ला रहे 'कल्कि संभल', पोस्टर में विजय राज और महेश मांजरेकर का दिखा दमदार लुक

'उदयपुर फाइल्स' के प्रोड्यूसर अमित जानी अपनी नई फिल्म 'कल्कि संभल' लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। फिल्म का पोस्टर सामने आ चुका है, जो कहानी की बजाय मुख्य किरदारों की झलक दिखाता है। अमित जानी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फिल्म के साथ ही दो मुख्य किरदारों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। हालांकि रिलीज को लेकर कुछ नहीं बताया है।

अमित जानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह फिल्म साल 1978 के संभल दंगों पर आधारित है और इसे साल 2024 से जोड़कर दिखाया जाएगा। फिल्म में दो मुख्य खलनायक किरदार हैं। पहले किरदार का नाम अब्बाजान है, जिस पर साल 1978 में राजनीतिक फायदे के लिए दंगे भड़काने का आरोप लगाया

गया था। इस किरदार में एक्टर महेश मांजरेकर नजर आएंगे।

'कल्कि संभल' का पोस्टर

वहीं, दूसरे महत्वपूर्ण किरदार का नाम भाईजान है, जो अब्बाजान का पोता है। इस रोल में विजय राज दिखाई आएंगे, जिन पर कहानी के अनुसार 2024 में संभल में हिंसा फैलाने का आरोप दिखाया जाएगा। फिल्म में एक और अहम किरदार, संभल के एसपी अर्जुन बिश्नोई का है। इस भूमिका को एक मशहूर एक्टर अभिनेता निभा रहे हैं, लेकिन मेकर्स ने अभी उनकी पहचान गुप्त रखी है। बताया जा रहा है कि अगले पोस्टर में इस किरदार का खुलासा किया जाएगा।

'कल्कि संभल' के डायरेक्टर-प्रोड्यूसर

'कल्कि संभल' का निर्देशन भरत एस श्रीनेत कर रहे हैं, जबकि प्रोडक्शन की जिम्मेदारी अमित जानी के पास है। अमित जानी इससे पहले अपनी फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर विवादों में रहे हैं, जिस वजह से कल्कि संभल को लेकर भी बहस और चर्चाएं शुरू हो गई हैं। फिल्म संभल के ऐतिहासिक और वर्तमान दंगों को केंद्र में रखकर सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों को उठाती दिख रही है। ऐसे में मेकर्स का दावा है कि फिल्म किरदारों की गहराई और उनकी पृष्ठभूमि पर फोकस करेगी। पहला पोस्टर किरदारों की पहचान स्थापित करने के लिए रिलीज किया गया है, ताकि दर्शक कहानी से पहले किरदारों से जुड़ सकें। फिल्म की रिलीज डेट और अन्य डिटेल्स जल्द ही अनाउंस होने की उम्मीद है।

श्रीदेवी की बेटी के कपड़ों की कीमत पता है? 2 लाख की स्कर्ट और 9 लाख का लहंगा

जाह्नवी कपूर सुपर स्टाइलिश लुक्स दिखाने में हमेशा आगे रहती हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वो आउटफिट सिलेक्शन हमेशा परफेक्ट रखती हैं। किस मौके पर क्या पहनना है ये बात डीवा बहुत अच्छे से समझती हैं। साथ में वो दूसरे के लुक से इंस्पिरेशन लेने की जगह खुद यूनिक लुक कैरी करती हैं। इस बार भी एक्ट्रेस ने जो मिनी स्कर्ट वाला लुक दिखाया वो फैंस को बहुत पसंद आया। मिनी स्कर्ट के साथ जाह्नवी ने क्रॉप टॉप पहना है और पैरों में बूट्स डाली नजर आईं।

जाह्नवी की हर ड्रेस होती है खास

जाह्नवी की मिनी स्कर्ट की कीमत 2 लाख रुपये से भी ज्यादा की है। और ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ है जब उन्होंने अपने कपड़ों पर लाखों रुपये खर्च किए हों। उनको इससे भी ज्यादा प्राइज रेंज वाले आउटफिट्स में देखा जा चुका है।

जाह्नवी की 2 लाख रुपये की स्कर्ट में क्या है खास?

जाह्नवी ने फोटो में जो स्कर्ट पहनी है वो लग्जरी फैशन ब्रांड Miu Miu की है। इस स्कर्ट का प्लीटेड डिजाइन है और इस पर चेक प्रिंट हुआ है। ब्रांड की ऑफिशियल वेबसाइट पर स्कर्ट की कीमत 2,19,856 रुपये दी गई है। इस स्कर्ट की कीमत इसलिए तो ज्यादा है ही क्योंकि ये लग्जरी ब्रांड की है। पर साथ में 100 परसेंट Virgin Wool से बने होने की वजह से भी इसका प्राइज ज्यादा है। ये ऊन सबसे प्योर और सॉफ्ट होती है।

ब्रालेट टॉप की कीमत नहीं जानते होंगे आप

एक टॉप पर भी जाह्नवी लाखों रुपये खर्च करने में हिचक नहीं दिखाती हैं। Dolce & Gabbana और Kim Kardashian वाला यह एक्सक्लूसिव टॉप मोतियों से सजा होने की वजह से चमचमाता हुआ दिखा रहा है। स्लीवलेस डिजाइन टॉप को मॉर्डन बना रहा है। जबकि स्वीटहार्ट नेकलाइन लुक में ग्लैम ऐड कर रही है। Harrods की वेबसाइट पर इस टॉप की कीमत 461,360 रुपये दी गई है।

9 लाख रुपये का लहंगा भी देखें

jayanti reddy का लहंगा पहनकर जाह्नवी ने सारी लाइमलाइट चुरा ली थी। ब्रांड की ऑफिशियल वेबसाइट पर इस लहंगे की कीमत 900,000 रुपये दी गई है। पेस्टल पिंक लहंगे पर ऊपर से लेकर नीचे तक जरदोजी वाला काम हुआ है। यह सारा वर्क कारीगरों ने हाथ से किया है। मरमेड डिजाइन वाले इस लहंगे को क्रिस्टल और पर्ल वाली डीटेलिंग करते हुए सजाया गया है।

115,500 रुपये की है लाल साड़ी

जाह्नवी की साड़ी की कीमत भी लाखों में होती है। जैसे Torani लेबल की इस रेड साड़ी की कीमत ऑफिशियल वेबसाइट पर 115,500 रुपये दी गई है। यह रेड साड़ी ऑर्गेंजा फैब्रिक से बनी है, जिसपर डोरी कढ़ाई और दबका वर्क हुआ है। साथ में मोती और सीक्वेंस जोड़ते हुए लुक को अट्रैक्टिव बनाया गया है। साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने ग्रीन कलर का लॉन्ग स्लीव्स वाला फैंसी ब्लाउज पेयर किया है।

सादी साड़ी की कीमत भी नहीं है कम

सादी साड़ी देखने पर आपको नॉर्मल लग सकती है, पर है नहीं। यह साड़ी Anavila लेबल की है और इसकी ऑफिशियल वेबसाइट पर साड़ी की कीमत 225000–247500 रुपये दी गई है। यह साड़ी लिनन से बनी है। कारीगरों ने हाथ से इस पर डीटेलिंग ऐड की है। साड़ी के साथ एक्ट्रेस ने प्लेन वाइट कलर का स्लीवलेस ब्लाउज पहना है जो लुक में मॉर्डन बना रहा है।

अरिजीत सिंह से मिलने जियागंज पहुंचे आमिर खान, फैंस बोले- सिंगर को मनाने गए होंगे

अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास ले लिया है। करीब एक हफ्ते पहले उन्होंने इसका ऐलान किया था। अब बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान उनसे मिलने के लिए उनके घर पहुंचे हैं। उनकी फोटोज/वीडियो इंटरनेट पर सनसनी मचा रहा है। लोग जानना चाह रहे हैं कि उनकी ये मुलाकात किस मकसद से हुई है! मालूम हो कि अरिजीत का घर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जियागंज में है। वो यहां पर सादगी से अपना जीवन बिताते हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में आमिर खान को अपनी कार से उतरते हुए देखा जा सकता है। वो पपाराजी का अभिवादन करते हैं। एक और वीडियो है, जिसमें वो अपनी कार में बैठे हैं और फोटोग्राफर्स उनकी एक झलक पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे हैं।

लोगों का क्या है कहना?

अरिजीत और आमिर की इस मुलाकात पर लोग अलग-अलग अंदाजा लगा रहे हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों का कहना है कि वो उनका फैसला बदलने के लिए मनाने गए होंगे। हालांकि, अभी तक किसी भी बात की पुष्टि नहीं हुई है कि आखिर उनकी मुलाकात किसलिए हुई!

अरिजीत ने आमिर के लिए गाए गाने

अरिजीत ने साल 2016 में 'दंगल' फिल्म का 'नैना' गाना गाया ता। इसके अलावा साल 2022 में रिलीज हुई 'लाल सिंह चड्ढा' का 'तेरे हवाले कर दिया' और 'फिर ना ऐसी रात आएगी' गाया। ये सभी गाने सुपरहिट हैं।

अरिजीत सिंह ने संन्यास वाले पोस्ट में क्या लिखा?

हैलो, सभी को नया साल मुबारक हो।

मैं आप सभी को इतने सालों तक सुनने वालों के तौर पर इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं अब से प्लेबैक वोकलिस्ट के तौर पर कोई नया असाइनमेंट नहीं लूंगा। मैं इसे बंद कर रहा हूं। यह एक शानदार सफर था।

संन्यास के बाद अरिजीत सिंह का गाना

अरिजीत ने शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग मूवी 'ओ रोमियो' के लिए गाना गाया है। इसका टाइटल 'इश्क का फीवर' है। इसे विशाल भारद्वाज ने कंपोज किया है और बोल दिग्गज गुलजार के हैं।

मृणाल ने प्यार को कहा 'खूबसूरत एहसास', बोलीं- ये हर किसी को हो!

साउथ स्टार मृणाल ठाकुर और धनुष बीते कई दिनों से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों डेटिंग कर रहे हैं और जल्द ही शादी करने वाले हैं। लेकिन धनुष के करीबी सूत्र ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया था। इन सबके बीच मृणाल अपने नए म्यूजिक वीडियो 'भीगी भीगी' की वजह से सुर्खियों में हैं। हाल ही में जब उनसे 'प्यार' के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ये एक खूबसूरत एहसास है।

मृणाल ठाकुर ने 'फिल्मी ज्ञान' को इंटरव्यू दिया। जब उनसे प्यार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब में कहा कि उन्हें लगता है कि प्यार एक खूबसूरत एहसास है। इस धरती पर हर किसी को इसका अनुभव होना चाहिए। ये आपको बेहतर इंसान बनाता है। ये सचमुच एक री-पैरेंटिंग और अपने अंदर के बच्चे की समस्याओं को सुलझाने जैसा है। ये दुनिया की सबसे खूबसूरत चीज है। वो कहती हैं, 'मैं सच में प्रार्थना करती हूं और आशा करती हूं कि हर किसी को अपनी लाइफ में प्यार मिले।'

मृणाल ने कहा- प्यार की बदली है परिभाषा

मृणाल का ये भी मानना है कि प्यार की परिभाषा बदलती जा रही है।

धनुष संग है डेटिंग की अफवाह

उनसे पूछा गया कि

क्या प्यार में डूबीं महिलाएं ज्यादा दयालु हो जाती हैं? तो उन्होंने कहा, 'ऐसा जरूरी नहीं है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। प्यार में सबसे जरूरी है उसे स्वीकार करना। कभी-कभी प्यार पाना और उसे स्वीकार करना बहुत मुश्किल हो जाता है।'

'इंसान खुद को समर्पित कर देता है'

वो आगे कहती हैं कि प्यार ही एकलौती स्थिर चीज है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे पाते हैं। एक प्रेमी होती है, एक प्रेमिका होती है। जब कोई प्यार में होता है तो वो 'देने' वाला होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वो महिला है या पुरुष। वो कहती हैं, 'जब प्यार होता है तो आप उस इंसान के लिए कुछ भी करते हैं। आप खुद को समर्पित कर देते हैं।'

धनुष का मृणाल संग शादी पर रिएक्शन?

'मनी कंट्रोल' की रिपोर्ट के अनुसार धनुष के करीबी सूत्र ने मृणाल संग शादी की खबरों को 'अफवाह' बताया था। कहा कि वो दोनों सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। साथ ही धनुष का दोबारा शादी करने का कोई प्लान नहीं है। वो अपने दोनों बेटों यात्रा और लिंगा की परवरिश में व्यस्त हैं।

धनुष और ऐश्वर्या की शादी, बच्चे और तलाक

धनुष और रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या की शादी 18 नवंबर 2004 को चेन्नई में हुई थी

साल 2006 में ऐश्वर्या ने पहले बेटे यात्रा राजा को जन्म दिया

साल 2010 में दूसरे बेटे लिंगा राजा का जन्म हुआ

शादी के 18 साल बाद 17 जनवरी 2022 को सेपरेशन का ऐलान किया

27 नवंबर 2024 को आधिकारिक तौर पर तलाक फाइनल हुआ

दोनों अपने बेटों की को-पैरेंटिंग कर रहे हैं

मृणाल के नए गाने के बारे में

मृणाल के 'भीगी भीगी' गाने को एआर रहमान ने कंपोज किया है। इसे एआर अमीन और जसलीन रॉयल ने गाया है। इसके बोल इरशाद कामिल के हैं। इस वीडियो में उनके साथ दुलकर सलमान भी हैं।

मृणाल की अपकमिंग मूवी

मृणाल को 'दो दीवाने सहर में' देखा जाएगा। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी हैं। निर्माण जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस का है। ये रोमांटिक ड्रामा 20 फरवरी 2026 को थिएटर्स रिलीज होगा।

धनुष की अपकमिंग मूवीज

हिंदी फिल्म 'तेरे इश्क में' के बाद धनुष को 2026 में Kara में देखा जाएगा। इसकी शूटिंग अभी चल रही है। D55 फिल्म का भी ऐलान हो चुका है। इसके बारे में ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई हैं। उन्होंने 2025 में 'इडली कढ़ाही' फिल्म में एक्टिंग की थी और वो इसके प्रोड्यूसर-डायरेक्टर भी थे।

अक्षय खन्ना संग भिड़े सनी देओल, सीन पर हुए रोंगटे खड़े

फैंस बोले- रहमान डकैत लग रहा

जो लोग 'धुरंधर 2' में अक्षय खन्ना की झलक न देख पाने को लेकर निराश थे, उनके लिए एक बड़ा तोहफा है, और वो ये ही उनकी नई फिल्म 'इक्का' का टीजर रिलीज किया गया है। फिल्म में सनी देओल भी हैं। खास बात यह है कि अक्षय खन्ना हाल ही रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' में एक कैमियो में दिखे थे। फिल्म में उन्होंने कर्नल धर्मवीर सिंह के रोल में वापसी की थी, जिसे 'बॉर्डर' में दिखाया गया था। 'इक्का'में अक्षय खन्ना को देख एकदम से रहमान डकैत की याद आ जाएगी। वैसा ही लुक, वैसा ही अंदाज और वैसे ही चाल। जिन नजरों से अक्षय खन्ना का किरदार कोर्ट में खड़े सनी देओल को देखता है, वह रोंगटे खड़े कर देता है।

'इक्का' के टीजर में क्या?

'इक्का' एक कोर्टरूम ड्रामा है, जिसके टीजर में सनी देओल और अक्षय खन्ना के किरदारों की झलक दिखाई गई है। टीजर शुरू होता है तो सनी देओल वकील की ड्रेस में तैयार होकर कोर्ट जाते दिखते हैं। आंखें गीली हैं और चेहरे पर दुख और मायूसी के बादल छाए हैं। वह कोर्ट में हैं और तभी अक्षय खन्ना की एंट्री होती है। एकदम रहमान डकैत स्टाइल में एंट्री मारते हुए अक्षय एकदम 'दुखती रग'वाली नजरों से सनी देओल को देखते हैं।

अक्षय खन्ना पर चिल्लाए सनी देओल

फिर टीजर में कुछ सीन्स और उठा-पटक दिखाई जाती है, जो किसी बड़ी घटना की ओर इशारा करती है। फिर एक सीन आता है, जहां सनी देओल, अक्षय खन्ना से पूछताछ कर रहे हैं और फिर उन्हें जोरदार मुक्का मारते हैं। बस आखिर में अक्षय के किरदार की आवाज सुनाई देती है- टिक,टिक बूम। और यह सुनते ही सनी देओल जोर से चिल्लाते हैं- शट अप। कोर्ट रूम में हर कोई उनकी चीख से सहम जाता है।

'इक्का' में अक्षय को देख फैंस बोले- रहमान डकैत से बाहर नहीं निकल रहे

'इक्का' का टीजर देख फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है और वो तारीफ कर रहे हैं। जहां सनी देओल के वकील वाले रौद्र रूप ने उनके 'दामिनी' वाले किरदार की याद दिला दी, वहीं अक्षय को देख फैंस को रहमान डकैत याद आ गया। एक फैन ने टीजर देख कमेंट किया, 'रियल ओजी वापस आ गए हैं एक बार फिर बॉलीवुड पर राज करने। एक ने लिखा, 'रहमान डकैत वापस आ गया।' एक का कमेंट है, 'सर के अंदर का रहमान डकैत नहीं जा रहा।' एक बोला, 'जब तारा सिंह रहमान डकैत से मिला।'

'इक्का' की कास्ट

'इक्का' में सनी देओल और अक्षय खन्ना के अलावा दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम, संजीदा शेख और आकांक्षा रंजन कपूर हैं। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर जल्द ही रिलीज होगी। अभी रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है।

अक्षय खन्ना और सनी देओल की फिल्में

अक्षय खन्ना और सनी देओल की बात करें, तो करीब 29 साल बाद दोनों किसी फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। इससे पहले दोनों साथ में 1997 में आई 'बॉर्डर' में नजर आए थे। हालांकि, 'बॉर्डर 2' में भी अक्षय खन्ना दिखे, पर वह उनका फ्लैशबैक सीन था। अब मार्च में 'धुरंधर 2' रिलीज होगी, और अभी यह पता नहीं है कि इसमें अक्षय खन्ना नजर आएंगे या नहीं क्योंकि पहले पार्ट में उनके रहमान डकैत के किरदार की मौत दिखा दी गई थी।

नर्मदापुरम में संगठन सुदृढ़ीकरण की मुहिमः जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पांडेय ने वरिष्ठ नेताओं से की व्यापक चर्चा

नर्मदापुरम। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवाकांत 'गुड्डन' पांडेय ने रविवार को नर्मदापुरम प्रवास के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने की दिशा में सक्रिय पहल की। शहर पहुंचते ही उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं के निवास स्थान पर पहुंचकर आत्मीय मुलाकात की और संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

अपने प्रवास की शुरुआत में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश बाथरे के साथ जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता एवं वरिष्ठ नेता महेश पांडेय तथा कांग्रेस नेत्री ज्योति मालवीय से मुलाकात की। इस दौरान आगामी कार्यक्रमों, बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, सदस्यता अभियान और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने जैसे विषयों पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

इसके पश्चात पांडेय ने वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री तेज कुंवर सिसोदिया एवं दीपक सिसोदिया के निवास पर पहुंचकर संगठन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की रणनीति को लेकर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संवाद बढ़ाने और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की आवश्यकता पर बल दिया।

इसी क्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता चंद्रभान सिंह ठाकुर तथा राजेश चौहान के निवास स्थान पर भी पहुंचकर उनसे मुलाकात की। मुलाकात के दौरान क्षेत्रीय राजनीतिक परिस्थितियों, जनसमस्याओं और संगठन के विस्तार को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई।

इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता संतोष तोमर (दाऊ), नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमलेश बाथरे, जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार, शैलेंद्र शुक्ला, एडवोकेट विजेंद्र राजपूत, मयंक कालोसिया सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने बताया कि यह प्रवास संगठन को मजबूती देने और वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन से आगामी राजनीतिक गतिविधियों की रूपरेखा तय करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा।

जिला अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस संगठन को गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक सक्रिय करते हुए जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

12 फरवरी की देशव्यापी आम हड़ताल में शामिल होंगी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाएं

» 17 सूत्रीय मांगों को लेकर आयुक्त को सौंपा हड़ताल नोटिस, नियमितीकरण व ?26 हजार वेतन की मांग तेज

नर्मदापुरम। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन, मध्यप्रदेश (पंजीयन क्रमांक 4694) ने 12 फरवरी 2026 को प्रस्तावित देशव्यापी आम हड़ताल में शामिल होने की औपचारिक घोषणा करते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त को हड़ताल नोटिस सौंप दिया है। यह नोटिस कलेक्टर एवं एसडीएम के माध्यम से प्रेषित किया गया।

यूनियन ने स्पष्ट किया कि वह सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) तथा अखिल भारतीय आंगनवाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स फेडरेशन (एआईएफएएचएलएफ) की संयुक्त इकाई के रूप में केंद्रीय ट्रेड यूनियनों—इंटक, एटक, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, टीयूसीएस, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ एवं यूटीयूसी—द्वारा आहूत इस देशव्यापी हड़ताल में भाग लेगी।

चार श्रम संहिताएं निरस्त करने और ट्रेड यूनियन अधिकारों की मान्यता की मांग : यूनियन ने 17 सूत्रीय मांग पत्र के साथ विशेष रूप से चार श्रम संहिताओं और उनसे जुड़े नियमों को निरस्त करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि इन श्रम संहिताओं से श्रमिकों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को पूर्ण ट्रेड यूनियन अधिकारों की मान्यता देने की भी मांग की गई है।

आईसीडीएस को संस्थागत दर्जा देने और अधिकार कानून बनाने की मांग : यूनियन ने कहा कि एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) ने 50 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं, ऐसे में इसे संस्थागत रूप से मजबूत किया जाए।

मांग की गई है कि आईसीडीएस को पर्याप्त बुनियादी ढांचे के साथ सुदृढ़ किया जाए।

गुणवत्तापूर्ण पूरक पोषण आहार सुनिश्चित किया जाए।

बेहतर पूर्व-प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था हो।

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को अधिकार कानून के तहत लाया जाए।

ग्रेड-III और IV कर्मचारी के रूप में नियमितीकरण की मांग : यूनियन ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को ग्रेड-III एवं ग्रेड-IV शासकीय कर्मचारी के रूप में नियमित करने की मांग दोहराई है। 45वें और 46वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों को लागू करने की मांग करते हुए योजना श्रमिकों के लिए पृथक वेतन आयोग गठित करने की बात कही गई है।

जब तक नियमितीकरण नहीं होता, तब तक : न्यूनतम वेतन 26,000 प्रतिमाह

पेंशन 10,000 प्रतिमाह

पूरे देश में समान सेवा शर्तें लागू करने की मांग रखी गई है।

ग्रेच्युटी पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने की मांग

जिला समिति को भेजे गए पत्र में यूनियन ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ग्रेच्युटी संबंधी दिए गए आदेश को तत्काल पूरे देश में लागू करने की मांग की है। साथ ही आईसीडीएस के निजीकरण का विरोध करते हुए कहा गया है कि ई-केवाईसी या एफआरएएमस के नाम पर लाभार्थियों को सूची से बाहर न किया जाए तथा डिजिटलीकरण के नाम पर कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न बंद किया जाए।

गैर-आईसीडीएस कार्यों से मुक्ति और जन-विरोधी विधेयकों की वापसी की मांग : यूनियन ने मांग की है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से बीएलओ, एसआईआर जैसे गैर-आईसीडीएस कार्य न लिए जाएं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सहित विभिन्न प्रस्तावित विधेयकों को जन-विरोधी बताते हुए वापस लेने की मांग भी की गई है।

यूनियन के जिला अध्यक्ष श्रीकांत उर्फ शैलेश पवार एवं जिला महासचिव समिति ने कहा कि यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 12 फरवरी की हड़ताल व्यापक स्तर पर की जाएगी।

बीएलओ ने घर-घर पहुंचकर की नोटिसों की तामील

ग्वालियर। जिले में विषेश गहन पुनरीक्षण कार्य के तहत नो मैपिंग और लॉजिकल एरर वाले 3,33,168 मतदाताओं के प्रकरणों के निराकरण के लिए नोटिस जारी कर उनके घरों पर पहुंचकर बीएलओ आवश्यक दस्तावेज एकत्रित कर रहे हैं।

कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान के निर्देश पर जिले की सभी 6 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 अन्तर्गत नो-मैपिंग और लॉजिकल एरर वाले मतदाताओं को नोटिस जारी कर सुनवाई द्वारा किया जा रहा है। रविवार को समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ ने क्षेत्र में भ्रमण कर मतदाताओं को उनके नोटिस तामील कराए।

साथ ही मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेज उनसे मौके पर प्राप्त किए। आयोग के निर्देशानुसार इन मतदाताओं की सुनवाई का कार्य 14 फरवरी तक पूर्ण किया जाकर फोटो युक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा।

कृषि के क्षेत्र में किसान नवाचारों से पेश कर रहे आत्मनिर्भरता की मिसाल

भोपाल। प्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसान कृषि के क्षेत्र में नवाचार कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रहे है। पांढुर्णा ज़िले के ग्राम राजना के प्रगतिशील कृषक श्री रमेश सातहाते ने नवाचार और आधुनिक कृषि तकनीक को अपनाकर सफलता की नई मिसाल कायम की है। उन्होंने सात एकड़ में स्वीटकॉर्न फ़सल से दस लाख रुपए से अधिक का मुनाफ़ा कमाया है और प्रति एकड़ डेढ़ लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त किया है। किसान श्री रमेश द्वारा बताया गया कि अक्टूबर माह में लगाई गई स्वीटकॉर्न की फ़सल को व्यापारी खेत से ही 15 रुपये प्रति किलो की दर पर खरीद कर रायपुर और नागपुर ले जा रहे हैं। प्रति एकड़ लगभग 120 क्विंटल की उपज प्राप्त हो रही हैं। लगभग तीस हज़ार रूपये का खर्चा काटकर भी डेढ़ लाख रुपए प्रति एकड़ का मुनाफ़ा प्राप्त हो रहा है। इस प्रकार के नवाचारी किसान ज़िले के अन्य किसानों के लिये भी प्रेरणास्रोत हैं। राजना एवं सिवनी ग्राम में ही लगभग 50 किसानों द्वारा लगभग 100 एकड़ में स्वीटकॉर्न की फ़सल रबी सीजन में ली जा रही है।

किसान कैलाश पवार ने पथरीली भूमि में जी-9 केले की खेती से किया नवाचार

छिंदवाड़ा जिले के मोहखेड़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम भुताई के प्रगतिशील किसान श्री कैलाश पवार ने नवाचार के माध्यम से कृषि के क्षेत्र में एक नई मिसाल पेश की है। श्री पवार ने लगभग 18 एकड़ क्षेत्र में केले की उन्नत किस्म जी-9 की खेती कर यह साबित कर दिया है कि कठिन मानी जाने वाली भूमि में भी आधुनिक तकनीक के सहारे बेहतर उत्पादन संभव है। उन्होंने गत वर्ष अप्रैल माह में पुणे से जी-9 किस्म के पौधे मंगवाकर ड्रिप सिंचाई प्रणाली के साथ रोपण किया था, जो मात्र लगभग 11 माह में पूरी तरह तैयार हो गई है। किसान श्री पवार ने बताया कि 15 फरवरी के बाद मार्च माह तक पूरी फसल की कटाई हो जाएगी और प्रति एकड़ ढाई से तीन लाख रुपये तक लाभ होने की संभावना है। फसल की गुणवत्ता को देखते हुए जबलपुर एवं नागपुर के व्यापारियों ने खेत पर पहुँचकर निरीक्षण किया है तथा वे सीधे खेत से ही उपज खरीदने के लिए संपर्क कर रहे हैं। विशेष बात यह है कि यह केला पथरीली एवं मुरम वाली उस भूमि पर उगाया गया है, जहाँ सामान्यतः अन्य फसलें लेना संभव नहीं माना जाता। कृषि विभाग की टीम ने भी खेत पर पहुँचकर इस नवाचार का अवलोकन किया और किसान द्वारा अपनाई गई तकनीकों की सराहना की। किसान श्री कैलाश पवार पूर्व से ही नवाचारी किसान रहे हैं। उन्होंने पिछले वर्ष लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की खेती कर अच्छा लाभ अर्जित किया था। वर्तमान वर्ष में भी उन्होंने 6 एकड़ में स्ट्रॉबेरी, एक एकड़ में ब्लूबेरी तथा एक एकड़ में गोल्डन बेरी की खेती की है, जिसकी उपज 15 फरवरी के बाद बाजार में आने की संभावना है। श्री कैलाश पवार की यह पहल क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत है, जो यह संदेश देती है कि नवाचार, तकनीक

नोहलेश्वर महोत्सव में पुरातत्व विभाग की प्रदर्शनी का राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने किया शुभारंभ

प्रदर्शनी में पुरातत्व विभाग के महत्वपूर्ण स्मारकों के कट आउट्स भी प्रदर्शित किए गए

दमोह। प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, भोपाल के तत्वावधान में, कार्यालय उपसंचालक, पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय ग्वालियर द्वारा नोहटा महोत्सव आयोजन वर्ष 2025-26 में ÷कांस्य प्रतिमाओं में शैव परम्परा÷ एवं ÷मध्य प्रदेश के महत्पूर्ण स्मारक÷ पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ नोहटा महोत्सव में किया। राज्यमंत्री श्री लोधी द्वारा विभागीय प्रदर्शनी की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस अवसर पर उपसंचालक ग्वालियर पी. सी. महोबिया, उपसंचालक जबलपुर के.एल. डाभी, मानचित्रकार जबलपुर प्रमोद राव एवं प्रभारी उपयंत्री ग्वालियर सपन साहू खासतौर पर मौजूद रहे।

कांस्य प्रतिमाओं में शैव परम्परा पर आधारित इस प्रदर्शनी में देश-विदेश के संग्रहालयों में प्रदर्शित शिव परिवार से संबंधित कांस्य प्रतिमाओं के छायाचित्रों को उनके संदर्भ और महत्त्व सहित प्रदर्शित किया गया है, जिससे दर्शकों को धरोहरों की सुंदरता और उनके संरक्षण की आवश्यकता को समझने का अवसर मिल रहा है। प्रदर्शनी में पुरातत्व विभाग के महत्वपूर्ण स्मारकों के कट आउट्स भी प्रदर्शित किए गए हैं, जो मध्य प्रदेश के समृद्ध पुरातत्त्व को इंगित करते हैं। प्रदर्शनी में विभागीय प्रतिकृति एवं प्रकाशन जनसामान्य के अवलोकन एवं क्रय हेतु उपलब्ध है।

उपयंत्री ग्वालियर सपन साहू द्वारा बताया गया कि यह प्रदर्शनी नोहटा महोत्सव (05 फरवरी से 15 फरवरी) मेले के समापन तक दर्शकों के लिए निःशुल्क रहेगी, जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें और धरोहरों के संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सख्ती, 7 जिलों में निरीक्षण, निलंबन व ब्लैकलिस्ट के निर्देश

भोपाल। लोक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार हेतु तैयार कार्ययोजना के अंतर्गत प्रदेश में विभाग के निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण की व्यवस्था की गई है। मुख्य अभियंताओं के सात दलों द्वारा 5 फरवरी को भोपाल, डिंडौरी, अशोकनगर, इंदौर, शहडोल, नीमच एवं सागर जिलों में रेण्डम आधार पर 35 निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 6 कार्य पी.आई.यू. (भवन), 6 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, एक कार्य मध्यप्रदेश भवन विकास निगम और एक कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित रहा। निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक प्रमुख अभियंता (सड़क) के.पी.एस. राणा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की गई, जिसमें प्रमुख अभियंता (भवन) एस.आर. बघेल, तकनीकी सलाहकार एम.पी.आर.डी.सी. आर.के. मेहरा सहित समस्त मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी ऑनलाइन उपस्थित रहे। बैठक में प्रतिवेदनों के आधार पर लापरवाही पाए जाने पर सख्त निर्देश दिए गए। इंदौर जिले में चटवाड़ा से हरनासा सड़क की स्थिति असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने तथा ठेकेदार मेसर्स आनंद इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी को ब्लैक लिस्ट में डालने के निर्देश दिए गए। सागर जिले में लोक निर्माण विभाग (भवन) अंतर्गत बीलाग्राम स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रयोगशालाओं एवं अतिरिक्त कक्षों के निर्माण की गुणवत्ता संतोषजनक न पाए जाने पर संबंधित कार्यपालन यंत्री एवं अनुविभागीय अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने, उपयंत्री को निलंबित करने तथा भवन निर्माण के ठेकेदार मेसर्स श्री रविंद्र सिंह ठाकुर को ब्लैक लिस्ट में डालकर अनुबंधानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार सागर जिले में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के रेहली गौरझामर मार्ग की स्थिति असंतोषजनक पाए जाने पर ठेकेदार मेसर्स बंसल पाथवेज़ प्रा.लि. एवं कंसल्टेंट योंगमा इंजीनियर प्रा.लि. को नोटिस जारी कर अनुबंधानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त 17 अन्य कार्यों में आवश्यक आंशिक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।समीक्षा बैठक में अच्छे कार्यों की सराहना भी की गई। इंदौर जिले की चोरल तहसील, महू में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं आवास गृह के निर्माण/उन्नयन की गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने पर कार्यपालन यंत्री अजय यादव, अनुविभागीय अधिकारी राजेश मकवानी तथा उपयंत्री जितेन्द्र भल्ला की प्रशंसा की गई।

आठ कंपनियों को सेबी से आईपीओ लाने की मंजूरी, भारत-ईयू एफटीए से वाहन कलपुर्जा कंपनियों को लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। सेबी ने इनक्रेड होल्डिंग्स और एलीवेट कैंपसेस सहित आठ कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये सामूहिक रूप से करीब 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी पाने वाली अन्य कंपनियों में लेजर पावर एंड इन्फ्रा, सेडेमैक मेक्ट्रोनिक्स, आरडी इंडस्ट्रीज, आर्मी इन्फोटेक, आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स और शंकेश ज्वेलर्स शामिल हैं।

निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने शुक्रवार को कहा, सरकार को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के लिए वित्तीय बोलियां मिली हैं। निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप उनका मूल्यांकन होगा।?आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया तीन वर्षों लटकी है। सरकार ने अक्तूबर, 2022 में एलआईसी संग मिलकर आईडीबीआई बैंक में कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी।

टाटा स्टील का लाभ कई गुना होकर 2,730 करोड़

टाटा स्टील का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत मुनाफा कई गुना होकर 2,730.37 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, इस दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 57,503.49 करोड़ रुपये पहुंच गई।?एक साल पहले की समान अवधि में यह 53,869.33 करोड़ थी। टाटा स्टील देश की शीर्ष वैश्विक इस्पात कंपनियों में शामिल है, जिसकी वार्षिक कच्चा इस्पात उत्पादन क्षमता 3.5 करोड़ टन है। भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) एफटीए से दोनों पक्षों के बीच प्रतिस्पर्धी गतिशीलता और बाजार पहुंच के फिर से परिभाषित होने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा, एफटीए से भारतीय वाहन और कलपुर्जा निर्यात के लिए यूरोपीय बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी।?इससे इस क्षेत्र की दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं को मदद मिलेगी। एफटीए से प्रीमियम वाहनों के आयात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

साइबर हमले के कारण जेएलआर को घाटा

साइबर हमले की घटना के कारण उत्पादन में आई रुकावट से प्रभावित जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 31 करोड़ पाउंड का घाटा हुआ। कंपनी ने कहा, साइबर घटना के कारण?हमने उत्पादन बंद कर दिया।?पुरानी जगुआर कारों को बंद करने की योजना और अमेरिकी टैरिफ से भी प्रदर्शन प्रभावित हुआ।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)